

मनेन्द्रगढ़

20 अप्रैल 2026  
सोमवार

# दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मणिपुर में उग्रवादियों ने दो लोगों की हत्या की  
**चलती गाड़ी पर फायरिंग; एनआईए को जांच सौंपी; सर्च ऑपरेशन जारी**

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के उखरल जिले में शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक रियायर्ड आर्मी जवान समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एसडब्ल्यू चिनाओशांग (46 वर्ष) और यरुइंगम वाशुम (42 वर्ष) इंफाल से उखरल जा रहे थे, तभी उग्रवादियों ने अचानक उनकी गाड़ी पर फायरिंग शुरू कर दी।

इस घटना से एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री युमानम खेमचंद सिंह ने उखरल का दौरा किया था और कूकी तथा नागा समुदायों से शांति और संवाद बनाए रखने की अपील की थी।

**राहुल पर एफआईआर का अपना आदेश हाईकोर्ट जज ने बदला**

**बिना नोटिस केस दर्ज करना सही नहीं माना; याचिकाकर्ता बोला- सीजेआई से शिकायत करेंगे**

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सांसद राहुल गांधी के खिलाफ बहुरज दर्ज करने का अपना ही आदेश बदल दिया है। मामला दोहरी नागरिकता से जुड़ा है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर नया आदेश जारी किया। कोर्ट ने बताया कि शुक्रवार (17 अप्रैल) को सुनवाई हुई थी। इसमें याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी।



**ईरान बोला- अमेरिका पर भरोसा नहीं, हालात बिगड़ सकते हैं**

**होमरुज से हमारे जहाज नहीं निकले तो किसी के नहीं गुजरने देंगे**



तेल अवीव/तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं है। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में

गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होमरुज स्टेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया।

उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होमरुज में माइन-क्विलरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है।

**महाराष्ट्र के वर्धा और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तापमान 45 डिग्री**

**छत्तीसगढ़-ओडिशा-झारखंड में रात में लू का अलर्ट, यहां लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री से ज्यादा**

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों और मध्य भारत में भीषण गर्मी का दौरा शुरू हो गया है। शनिवार को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और महाराष्ट्र के वर्धा में तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को देश के 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी का बांदा 44.6,

तेलंगाना का आदिलाबाद 44.3, महाराष्ट्र के नागपुर-अमरावती 44.2 और मध्य प्रदेश का रतलाम 44 डिग्री भी शामिल रहा। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में तापमान 43 डिग्री से ज्यादा रहा। यानी कई से पहले ही तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई है।



मौसम विभाग ने आज छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में आज रात को भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दरअसल इन राज्यों में लगातार तीसरे दिन पारा 40 डिग्री से ज्यादा है। झारखंड के रांची में चिड़ियाघर के जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। ओडिशा के 9 जिलों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हालांकि पूर्वोत्तर के 10 राज्यों बिहार, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अरुणाचल में आंधी-बारिश का यत्न अलर्ट है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बारिश का अलर्ट है। वहीं दक्षिणी राज्य उत्तर कर्नाटक में ओले गिरने का अलर्ट है।

**मोदी बोले-टीएमसी ने बंगाल की बहनों के साथ धोखा दिया**

**ममता नहीं चाहती बहनें-बेटियां ज्यादा संख्या में सांसद बनें, घुसपैठियों को हर फायदा मिल रहा**

कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। पीएम मोदी बंगाल के बिष्णुपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता सरकार यहां की बेटियों के साथ धोखा कर रही है। वह नहीं चाहती यहां की बेटियां ज्यादा संख्या में सांसद बनें। इसलिए संसद में आरक्षण से जुड़ा कानून पारित नहीं होने दिया।

पीएम मोदी की आज बंगाल में 4 रैलियां और जनसभाएं हैं। बिष्णुपुर के बाद वे पुरलिया, झाड़ग्राम और फिर मैदिनीपुर जाएंगे। इन रैलियों का विशेष महत्व है। ये वही क्षेत्र हैं जहां BJP ने पिछले लोकसभा-विधानसभा चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को कोयंबटूर की जनसभा में कहा कि DMK के काले कारनामे जनता जान चुकी हैं। काले कपड़े पहनकर अपने गलत इरादों को नहीं छिपाया जा



सकता। तमिलनाडु की जनता संदेश दे रही है कि NDA सत्ता में आएगी और DMK बाहर जाएगी। **मोदी बोले- आप बीजेपी सरकार लाइए हम टीएमसी की परमानेंट सर्जरी करेंगे**

पिछड़ी जनजातियां रहती हैं। ओडिशा-त्रिपुरा में आदिवासी समाज के लिए घर बनाए हैं, लेकिन बंगाल में एक भी घर नहीं बना है। क्योंकि यहां तुणपूल की सत्ता है। मैं यहां के किसान और नौजवानों की पीड़ा समझता हूं। मेरा कहना है कि जब तक मॉडिया में टीएमसी का सिंडिकेट रहेगा,

**मोदी ने कहा- बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है TMC सरकार**

पीएम ने कहा कि अस्त्र की सरकार बंगाल टाइगर की दहाड़ से डर गई है। यह बंगाल टाइगर यहां की जनता है। मैं टीएमसी के लोगों को आखिरी मौका दे रहा हूँ अपने अपने थाने में आत्मसमर्पण कर दो। क्योंकि 4 मई के बाद कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

टीएमसी का सिंडिकेट कान खोलकर सुन लो, ये सब नहीं चलेगा। टीएमसी की निर्मम सरकार को गरीबों के दुख से मतलब नहीं, ये आप की सुविधा को रोक सकते हैं। मेरे पास सबूत हैं। बांकुड़ा कला की धरती है। इस धरती ने कई महान संतानें देश को दी हैं। यहां कण-कण में शिल्प है। यहां कदम कदम पर टेराकोटा की कला के दर्शन होते हैं। मंदिर मूर्तियां यहां की पहचान हैं। ऐसे ही काम से जुड़े कारीगरों के लिए मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई।

**मोदी ने कहा- महिलाओं से उनका हक टीएमसी नहीं ज्यादा दिन नहीं छिन सकती**

मोदी ने कहा- बहनों की सुरक्षा और समृद्धि बीजेपी की प्राथमिकता है। अभी बंगाल सरकार के कारण यहां की बहनों को वह लाभ नहीं मिलता जो केंद्र सरकार बाकी राज्यों की महिलाओं को दे रही है। टीएमसी की निर्मम सरकार यह होने नहीं दे रही है। बंगाल में बीजेपी की सरकार बनेगी तो बहनों को। मुफ्त राशन मिलेगा, उसे कोई छिन नहीं पाएगा।

तब तक शोषण होता रहेगा। आप टीएमसी की परमानेंट सर्जरी बीजेपी सरकार लाइए हम करेंगे।

**200-फीट गहरी खाई में गिरी बस दो महिलाओं की मौत: 28 घायल**

**5 की हालत गंभीर; कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को बाहर निकाला**



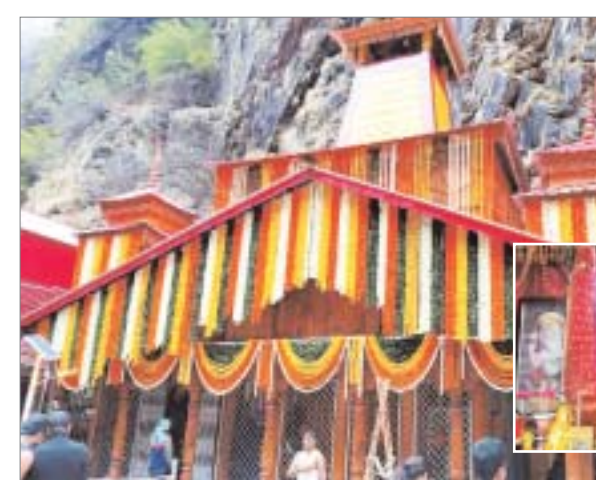
अजमेर, एजेंसी। अजमेर में यात्रियों से भरी बस 200 फीट नीचे खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। 28 लोग घायल हो गए। इनमें से 5 की हालत गंभीर है। पुष्कर जा रही बस में 31 लोग सवार थे। वे पीसांगन (अजमेर) में मायरा भरने जा रहे थे।

इस दौरान पुष्कर की घाटी में बस बेकाबू हो गई। हादसा पुष्कर से करीब 3 किलोमीटर पहले रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ। मौके से गुजर रहे लोगों ने कपड़ों से रस्सी बनाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी यात्रियों को पहले पुष्कर

के सरकारी अस्पताल लेकर गए। वहां से उन्हें अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। एक्स-रे के बाद पुष्कर घाटी में लंबा जाम लग गया है। ग्रामीण सीओ रामचंद्र चौधरी ने बताया- सांझीसर से आगे हादसा हुआ है। घायलों को लोगों की मदद से हॉस्पिटल में भर्ती करवा दिया गया है।

**मप्र के अनूपपुर में ट्रैक्टर पलटने से 4 दोस्तों की मौत, गांव में पसरा मातम**

अनूपपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्डे में पलट गया, जिससे सभी युवक उसके नीचे दब गए। बताया गया कि डिंडोरी जिले के रहने वाले चार दोस्त ट्रैक्टर से गिट्टी लेने जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और सभी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार डिंडोरी जिले के करंजिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भीमकूडी के रहने वाले चार युवक ट्रैक्टर लेकर अनूपपुर के पौनी गांव की ओर जा रहे थे।



**चारधाम यात्रा शुरू: गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी**

**पहली पूजा पीएम के नाम की हुई; बाबा केदार की डोली भी ऊखीमठ से रवाना**

ग्रीष्मकाल के आगमन के साथ ही अब मां यमुना की पूजा-अर्चना यमुनोत्री धाम में संपन्न होगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां यमुना यमुनोत्री धाम में भैया दूज (यम द्वितीया) तक विराजमान रहती हैं। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु धाम पहुंचकर दर्शन का लाभ उठाते हैं। कहा कि परंपरा के अनुसार, खरशाली और आसपास के ग्रामीण मां यमुना की डोली के साथ पैदल यात्रा करते हुए यमुनोत्री धाम तक जाते हैं। यह यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को भी जीवंत बनाए रखती है। चारधाम यात्रा के शुभारंभ के साथ ही प्रशासन और मंदिर समिति ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित दर्शन के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। आने वाले दिनों में यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

उत्तरकाशी, एजेंसी। मां गंगा के गंगोत्री धाम में कपाट खुलने के बाद यमुनोत्री धाम में यमुना जी के कपाट छह माह के लिए आज 19 अप्रैल की दोपहर 12 बजेकर 35 मिनट पर खोल दिए गए हैं। अब श्रद्धालु यमुना जी के छह माह यमुनोत्री धाम में दर्शन कर पाएंगे। इससे पूर्व रविवार सुबह डोल दमाऊ के साथ मां यमुना जी की विग्रह डोली खरशाली से यमुनोत्री धाम के लिए रवाना हुई। उनके भाई शनि महाराज हर वर्ष की भांति अपने बहन को छोड़ने यमुनोत्री धाम पहुंचे।

19 अप्रैल रविवार को डोली प्रस्थान के दौरान खरशाली और आसपास के गांवों में भावुक माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने नम आंखों से अपनी आराध्य देवी मां यमुना को विदा किया। पूरे क्षेत्र में डोल-नगाड़ों, मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच डोली यात्रा आगे बढ़ी, जिसने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। दरअसल, शीतकाल के दौरान मां यमुना की भोग मूर्ति खरशाली गद्दी स्थल में विराजमान रहती है, जहां पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना और दर्शन होते हैं। लेकिन

**केदारनाथ यात्रा का शुभारंभ : ओंकारेश्वर मंदिर से रवाना हुई पंचमुखी डोली, 22 अप्रैल को खुलेंगे कपाट**

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की वार्षिक यात्रा के तहत भगवान केदारनाथ की पंचमुखी उरुख डोली रविवार को शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद धाम के लिए रवाना हो गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच डोली के प्रस्थान के साथ ही क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर को लगभग आठ कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो उठा। पूर्व परंपरा के अनुसार शनिवार रात्रि को भैरवनाथ जी की पूजा-अर्चना भी संपन्न की गई। डोली यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और कई भक्त पैदल ही यात्रा में सम्मिलित हुए। निर्धारित यात्रा कार्यक्रम के अनुसार डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर गुप्तकाशी पहुंचेगी, जहां श्री विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन देने हेतु अल्प विश्राम किया जाएगा। इसके पश्चात डोली फाटा के लिए प्रस्थान करेगी, जहां रात्रि विश्राम निर्धारित है। आगामी 20 अप्रैल को डोली फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित गौरीमाई मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। अगले दिन 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचकर मंदिर भंडार में विराजमान होगी। इसके बाद 22 अप्रैल को प्रातः 08 बजे शुभ मुहूर्त में केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही यात्रा का औपचारिक शुभारंभ होगा। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग और बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और भौंड नियंत्रण हेतु सेक्टर मंजिस्ट्री को तैनाती की गई है। स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क एवं पैदल मार्गों का सुदृढीकरण, बर्फ हटाने सहित सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।



# नोएडा एयरपोर्ट के पास चल रहा बड़ा 'खेल', सरकार को हो रहा नुकसान; प्रशासन की कार्रवाई का नहीं दिख रहा असर

जेवर (ग्रेटर नोएडा), एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क्षेत्र में दो गुने मुआवजे और प्लॉट के लालच में किसानों की जमीन पर बाहरी लोग लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। कम लागत से मकान तैयार करने के चक्कर में लोग बेहद निम्न गुणवत्ता के भवन को तैयार कर रहे, जिससे कई बार हादसे भी हुए हैं। नगला हुकमसिंह, रामनेर व नीमका गांव में लोगों को जान गंवाने के साथ ही घायल हो चुके हैं। पुलिस-प्रशासन लगातार ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करता रहा है, उसके बावजूद भी निर्माण कार्य रुकने का नाम नहीं ले रहे। अब प्रशासन ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले एजेंसी ठेकेदार और निर्माण कराने वाले मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। जिससे राज्य सरकार को होने वाली वित्तीय क्षति से रोका जा सके।

अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे व



तीसरे चरण के लिए अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। दोनों चरणों में एयरपोर्ट की सीमा के अंदर आने वाले नगला हुकमसिंह, कुर्बे, नगला जहानू, रन्हेरा, थोरा, बनवारीवास, नीमका, खवाजपुर, रामनेर, किशोरपुर आदि गांव का विस्थापन किया जाना है। इन गांव में विस्थापन का अनुचित लाभ और लागत का दो गुना मुआवजा लेने के लिए कुछ

बाहरी लोग दोगुने दजों की इंटों को मिट्टी के गिलाए में चिनाई करा महल खड़े कर रहे हैं। ऐसे मिट्टी के महल लगातार हादसे का शिकार भी हो रहे हैं एयरपोर्ट क्षेत्र के नगला हुकमसिंह गांव में दो मंजिला मकान गिरने से चार लोगों की मौत हो गई थी।

सिवारा गांव में डाले जा रहे लिंटर को रुकवाया था: वहीं, रामनेर गांव में

भी कुछ दिनों पूर्व मकान गिरने से काम पर लगी महिला श्रमिक की जान चली गई। इसके अलावा मुकीमपुर सिवारा और नीमका गांव में भी मकान गिरने की वजह से हादसे हो चुके हैं। लगातार हादसों को देखते हुए तहसील प्रशासन की तरफ से इन गांव में निर्माण सामग्री ईंट, सीमेंट, सरिया, रोड़ी, डस्ट, बालू रेतों की आपूर्ति पर रोक लगा दी थी। लेकिन निर्माण करने वाले अब रात के समय निर्माण कार्य करा रहे हैं। दो दिन पूर्व ही तहसील की टीम ने रात के वक्त मुकीमपुर सिवारा गांव में डाले जा रहे लिंटर को रुकवाया था।

प्रभावित गांव में निर्माण की पुलिस प्रशासन कर रहा निगरानी: पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बाद एयरपोर्ट क्षेत्र में लोगों दिन के समय निर्माण कार्य नहीं करा रहे अब रातों रात निर्माण कराए जा रहे हैं। जिसको देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमों ने रात

के समय भी निगरानी शुरू कर दी है, जिससे रात के वक्त भी लिंटर न डाले जा सके। साथ ही निर्माण सामग्री आपूर्ति करने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। निर्माण कार्य पकड़े जाने पर भवन स्वामी के साथ ही निर्माण सामग्री आपूर्ति करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 11 की अधिसूचना के बाद अधिग्रहण प्रक्रिया पूर्ण होने तक प्रभावित भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह से अवैध है। उसके बाद भी जो लोग परियोजना को प्रभावित करने और राज्य सरकार को भारी वित्तीय क्षति पहुंचाने के लिए अवैध निर्माण करने और निर्माण के लिए सामग्री की आपूर्ति कराने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए निर्माण कराए जा रहे हैं। जिसको देखते हुए एक्ट तक की कार्रवाई कराई जाएगी।

## डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा खंडित होने पर भड़के लोग



साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद में लोनी बांडर थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी कॉलोनी में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को देर रात असांजिक तत्वों ने खंडित कर दिया। जानकारी मिलने पर एकत्र हुए लोगों ने जमकर नारेबाजी

करते हुए रोड जाम कर दी। इंद्रपुरी कॉलोनी गुरु द्वारा रोड के कोने पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थिति है।

रविवार सुबह बाबा साहेब की प्रतिमा खंडित मिली। असांजिक तत्वों ने प्रतिमा का सिर अलग कर दिया था।

## दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा टला, बाइक सवार को बचाने के चक्कर में तीन गाड़ियां टकराईं

फरीदाबाद, एजेंसी।

फरीदाबाद में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने की कोशिश में तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। राहत की बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, वाहनों को नुकसान पहुंचा। त्रिखा कॉलोनी निवासी युवक ने बताया कि वह अपनी क्रिया सेल्टोस कार से पर लौट रहा था। जैसे ही वह बड़ोली पुल के पास पहुंचा, अचानक एक बाइक सवार उसकी कार के सामने आ गया। टक्कर लगने से



बचाने के लिए उसने तुरंत गाड़ी मोड़ी, लेकिन कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस अचानक हुए घटनाक्रम के चलते पीछे आ रही वैगनआर कार चालक ने समय रहते ब्रेक लगा दिए और गाड़ी रोक ली। लेकिन

उसके पीछे चल रही हुंडई कार को संभलने का मौका नहीं मिला और उसने वैगनआर को पीछे से टक्कर मार दी। हुंडई कार चालक अमन के अनुसार, आगे चल रही दोनों गाड़ियां अचानक रुक गईं थीं। उन्होंने गाड़ी को नियंत्रित करने की

पूरी कोशिश की, लेकिन दूरी कम होने के कारण टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सभी क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर ट्रैफिक को जल्द ही सामान्य कर दिया गया। यह हादसा एक बार फिर तेज रफतार और अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर करता है, जहां कुछ सेकंड की प्रतिक्रिया बड़े हादसे को टाल भी सकती है और पैदा भी कर सकती है।

## नेतन्याहू के गुस्से से घबराए ट्रंप : इस्राइल को बताया महान सहयोगी, पहले लेबनान में हमलों को लेकर कही थी ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संकट और इस्राइल-लेबनान तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल के रिश्तों में भी हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों ने कूटनीतिक स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। क्षेत्रीय अस्थिरता के इस दौर में, विशेष रूप से युद्धविराम प्रोटोकॉल और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री संचालन की सुरक्षा को लेकर बातचीत जटिल बनी हुई है। डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि इस्राइल को लेबनान में एयरस्ट्राइक रोकनी होगी। उन्होंने लिखा था कि 'अब बहुत हो गया', जिससे यह संकेत गया कि अमेरिका ने इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया है। इस बयान के बाद इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके सलाहकारों में

चिंता बढ़ गई और व्हाइट हाउस से स्पष्टीकरण मांगा गया।

ट्रंप ने बदला रुझा, इस्राइल को बताया मजबूत सहयोगी: विवाद बढ़ने के बाद ट्रंप ने अपने रुख में नरमी दिखाई और इस्राइल की तारीफ करते हुए उसे अमेरिका का महान सहयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस्राइल साहसी, मजबूत, वफादार और समझदार देश है, जो कठिन परिस्थितियों में भी मजबूती से खड़ा रहता है। ट्रंप के इस बयान को उनके पहले दिए गए सख्त संदेश के उलट माना जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि समझौता केवल आक्रामक सैन्य अभियानों पर रोक लगाता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार सुरक्षित रहता है। इस बयान से यह स्पष्ट करने की कोशिश की गई कि इस्राइल अपनी सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है।

कमला हैरिस का भी इस्राइल पर बयान: इस बीच पूर्व

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी इस्राइल की नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ऐसे संघर्ष में शामिल हो गया है, जिसे अमेरिकी जनता नहीं चाहती थी। उनका आरोप है कि मौजूदा हालात में अमेरिका को अनावश्यक सैन्य तनाव में खींचा गया है।

हिजबुल्लाहा नेता नईम कासिम ने इस्राइल के साथ चल रहे 10-दिवसीय युद्धविराम को बनाए रखने के लिए कुछ शर्तें सामने रखी हैं। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में कासिम ने कहा कि शांति तभी संभव है जब सभी प्रकार की सैन्य कार्रवाई (हवाई, जमीनी और समुद्री) पूरी तरह बंद हो। उन्होंने यह भी मांग की कि अगले चरण में इस्राइल को लेबनान की जमीन से पूरी तरह स्पष्ट करने की कोशिश की गई कि इस्राइल अपनी सुरक्षा से जुड़े कदम उठाने के लिए स्वतंत्र है।

कमला हैरिस का भी इस्राइल पर बयान: इस बीच पूर्व

## अमेरिकी प्रतिबंध की मार झेल रहा वयूबा: गहराया ईंधन संकट, समझिए स्पेन समेत कई देशों की कैसे बढ़ी चिंता



मैड्रिड, एजेंसी। अमेरिका और वयूबा के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद वयूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है।

स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का



उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने वयूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा: अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और

## नशीली दवा रैकेट की जांच तेज, भालोटिया मंडी से जुड़े तार खंगाल रही पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। महाराजगंज जिले में पकड़े गए नशीली दवा रैकेट के तार अब पूर्वी यूपी की चर्चित थोक दवा मंडी भालोटिया से जुड़ते नजर आ रहे हैं। ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त पुछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने इस संबंध में अहम जानकारी दी है। उनके बयान और मोबाइल लोकेशन भी भालोटिया मंडी तक पहुंच की पुष्टि कर रहे हैं, हालांकि अब तक ठोस साक्ष्य हाथ नहीं लग सके हैं।

दरअसल, महाराजगंज में कार्रवाई के दौरान करीब 5700 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए थे। इस मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों ने बताया कि भालोटिया मार्केट स्थित एक दुकान के दो कर्मचारियों ने उन्हें यह खेप उपलब्ध कराई थी। आरोपियों के बयान के आधार पर शुक्रवार को पुलिस और ड्रग विभाग की टीम ने मंडी की एक थोक दुकान पर छाप मारा। जांच के दौरान संबंधित बेच नंबर के इंजेक्शन दुकान में नहीं मिले और न ही उसकी खरीद-बिक्री से जुड़े कोई रिकॉर्ड उपलब्ध हुए। ठोस साक्ष्य न मिलने से जांच टीम को झटका जरूर लगा लेकिन जांच का दायरा और व्यापक कर दिया गया है।

सहायक आयुक्त औषधि संदीप गुप्ता ने बताया कि जांच जारी है और महाराजगंज से मिली कड़ियों को जोड़कर पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

## गैस एजेंसी संचालक ने जनप्रतिनिधि पर धमकी और दबाव बनाने का लगाया आरोप

गोरखपुर, एजेंसी। शहर में एक गैस एजेंसी संचालक ने स्थानीय जनप्रतिनिधि और उनके बेटे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सूरज गैस एजेंसी के संचालक पीके सिंह ने डीएम को दो शिकायत में बताया कि 18 अप्रैल की शाम करीब 5:30 बजे वह अपने कार्यालय में ग्राहकों के कार्य निपटा रहे थे, तभी एक व्यक्ति बंद पड़े एलपीजी कनेक्शन को बिना जरूरी दस्तावेज के चालू कराने के लिए कर्मचारियों पर दबाव बनाने लगा। कर्मचारियों की ओर से नियमों का हवाला देकर आवश्यक कागजात मांगे जाने पर उक्त व्यक्ति नाराज हो गया। आरोप है कि कुछ ही देर बाद एक जनप्रतिनिधि अपने गनर और 12-15 समर्थकों के साथ एजेंसी पर पहुंच गए। वहां पहुंचते ही उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए एजेंसी बंद कराने की धमकी दी। पीके सिंह के अनुसार, विरोध करने पर जनप्रतिनिधि ने उन पर हाथ उठाने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। संचालक का यह भी आरोप है कि उन पर जबर्न कनेक्शन ट्रांसफर करने और पांच भरे सिलिंडर घर पहुंचाने का दबाव बनाया गया, साथ ही जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## सफाईकर्मी की पिटाई, निगमकर्मियों का थाने में हंगामा

मेरठ, एजेंसी। परतार के गंगोल सड़क पर शनिवार सुबह चार युवकों ने एक सफाईकर्मी की पिटाई की। इस घटना के बाद निगमकर्मियों ने परतार थाने में हंगामा किया। पीड़ित सफाईकर्मी सचिन ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। सचिन ने बताया कि द्यूटी जाते समय गुड्डू और उसके दोस्तों ने उसे रोका। उन्होंने लाठी-डंडों से उसकी बेरहमी से पिटाई की। आरोपी उसे अथमरी हालत में छोड़कर भाग निकले। निगम कर्मियों तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर थाने में धरने पर बैठ गए। थाना प्रभारी अजय शुक्ला ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। सुपरवाइजर आशीष ने जाति सूचक शब्दों के प्रयोग को गलत बताया। उन्होंने कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। सीओ सौम्या अस्थाना ने बताया कि तहरीर पर कार्रवाई हो रही है। आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

## टायर ऑयल फैक्टरी में लगी भीषण आग, आसमान छूने लगी लपटें, लाखों का माल जलकर राख

कानपुर, एजेंसी। कानपुर देहात में गजनेर थाना क्षेत्र के बिलसराया गांव स्थित टायर पिघलाकर ऑयल निकालने वाली एक फैक्टरी में शनिवार देर रात करीब 12 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते लपटें आसमान छूने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि उसकी लपटें काफी दूर तक दिखाई दे रही थीं। फैक्टरी में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया गया। थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर तत्काल माती अग्निशमन केंद्र से दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मी देर रात तक आग बुझाने में जुटे रहे।

आग से भारी नुकसान होने की आशंका: फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट या फैक्टरी में रखे ज्वलनशील पदार्थों से आग भड़कने की जताई जा रही है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। आग से फैक्टरी को भारी नुकसान होने की आशंका है। हालांकि किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है।

## तेज रफतार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को रौंदा, एक की मौत और चार गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती

कानपुर, एजेंसी। कन्नौज जिले के सौरिख थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे नांदेमऊ रोड पर ग्राम नगला वसने के सामने दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफतार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के तीन खंड हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, सभी लोग आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से नीचे उतरकर ई-रिक्शा के जरिए अपने-अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में अमित प्रताप सिंह (27) पुत्र अमरेश सिंह निवासी बिलंदपुर, थाना सौरिख गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे में ये हुए घायल: चायलों में विशाल (22) पुत्र वेद प्रकाश निवासी मलिकपुर, सुनीता देवी (53) पत्नी विनोद सिंह निवासी श्यामपुर भटपुर थाना नवीगंज, जिला मैथपुरी और ई-रिक्शा चालक अली हैदर (55) पुत्र नूर मोहम्मद निवासी अंबेडकर नगर सौरिख शामिल हैं। उनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरी एंबुलेंस से सीधे कनैया पाल निवासी भदौरियन पुवा को मिनी पीजीआई सैफई में भर्ती कराया गया है।

## बीआरडी में कैसर मरीजों को राहत, जल्द शुरू होगी रेडियोथेरेपी सेवा

गोरखपुर, एजेंसी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने वाले कैसर मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। रेडियोथेरेपी विभाग की कोबाल्ट मशीन की मरम्मत जल्द पूरी होने की उम्मीद है, जिसके बाद मरीजों की सेंकाई फिर से शुरू हो सकेगी। मामले की जानकारी मिलते ही चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित तपोल ने हस्तक्षेप किया। उनके निर्देश पर लॉबित अनुसंधान धुगतान लकाल जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि शनिवार को ही मरम्मत करने वाली कंपनी के खाते में बकाया रकम भेज दी गई। इसके बाद कंपनी से संपर्क कर मशीन को प्राथमिकता पर ठेक करने का अनुरोध किया गया है। दरअसल, मुंबई की पैनशिया टेक्नोलॉजी कंपनी को मशीन के रखरखाव की जिम्मेदारी दी गई थी। वर्ष 2025 से धुगतान न होने के कारण करीब 14 लाख रुपये बकाया हो गए थे।

# सीजफायर के बीच दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हमले जारी, यूएई-ब्रिटेन के शीर्ष राजनयिकों की बैठक

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका के साथ अगली बातचीत के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। ईरानी अधिकारी ने कहा कि पहले एक साझा समझ और ढांचा तैयार करना जरूरी है, तभी आगे की बातचीत संभव होगी। पिछले सप्ताह इसलामाबाद में हुई उच्च स्तरीय वार्ता भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी थी। इसे 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सबसे अहम कूटनीतिक बातचीत माना जा रहा है। बातचीत के बीच सबसे बड़ी चिंता का विषय होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है। तनाव के चलते इस क्षेत्र में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी असर देखा जा रहा है।

सीजफायर के बावजूद दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के हमले जारी, बढ़ा तनाव: लेबनान में जारी युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना ने एक बार फिर दक्षिणी हिस्से में हवाई और तोपखाने हमले किए हैं। इस्राइली सेना ने इन कार्रवाइयों को खतरों के खिलाफ उद्योग



गया कदम बताया है, जो कथित तौर पर नई येलो लाइन के दक्षिण में स्थित थे। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बेरूत से जुड़े संवाददाता ने बताया कि रविवार को इस्राइल ने कई गांवों में लगातार गोलाबारी और मशीनगन से फायरिंग की। इसके साथ ही दो अलग-अलग हमले हमले भी किए गए। पहला हमला हिजबुल्ला के उन लड़ाकों पर किया गया,

जो इस्राइल के अनुसार येलो लाइन के करीब पहुंच रहे थे, लेकिन उसे पार नहीं किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि यह गतिविधि रेखा के उत्तर में हुई थी, न कि उसके भीतर। दूसरा हमला एक व्यक्ति पर किया गया, जो एक सुरंग के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ रहा था, जो येलो लाइन के दक्षिण में स्थित बताया गया है। इस्राइली सेना ने दावा किया कि इस कार्रवाई में उस

सुरंग के प्रवेश द्वार को भी नष्ट कर दिया गया। इस्राइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, (क्ष) और यूनाइटेड किंगडम (च) के शीर्ष राजनयिकों ने क्षेत्रीय हालात और बढ़ते तनाव को लेकर अहम बातचीत की

ईरान में हवाई क्षेत्र चरणबद्ध तरीके से फिर खोलने की तैयारी: इसी बीच ईरान से जुड़े एक अहम खबर सामने आई है, जहां देश के नागरिक उड्डयन संगठन ने हवाई क्षेत्र को धीरे-धीरे खोलने की योजना की घोषणा की है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान का हवाई क्षेत्र चार चरणों में खोला जाएगा। पहले चरण में ट्रांजिट फ्लाइट्स को अनुमति दी जाएगी। इसके बाद पूर्वी हवाई अड्डों से उड़ानों की शुरुआत होगी। तीसरे चरण में तेहरान के मेहराबाद और इमाम खुमैनी हवाई अड्डों से उड़ानों की अनुमति दी जाएगी, जबकि अंतिम चरण में पश्चिमी हवाई अड्डों को भी खोला जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल टिकटों की बिक्री स्थगित है और यात्रियों को आधिकारिक घोषणाओं पर ही धरोसा करने की सलाह दी गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया

है कि हवाई क्षेत्र खोलने की प्रक्रिया कब से शुरू होगी। संयुक्त अरब अमीरात (अ) और यूनाइटेड किंगडम (च) के शीर्ष राजनयिकों ने क्षेत्रीय हालात और बढ़ते तनाव को लेकर अहम बातचीत की है। बैठक में दोनों देशों ने पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात और सुरक्षा चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की। यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान और ब्रिटेन की विदेश सचिव डेवद कूपर ने क्षेत्रीय विकास और ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर कथित बिना उकसावे वाले और आतंकी हमलों के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। यूएई विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, डेवद कूपर ने यूएई के साथ एकजुटता जताते हुए कहा कि वह देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों का समर्थन करता है। वहीं, शेख अब्दुल्ला ने ब्रिटिश विदेश सचिव की इस यात्रा को दोनों देशों के मजबूत संबंधों का प्रतीक बताया और कहा कि यह यूएई के प्रति ब्रिटेन की एकजुटता को दर्शाता है, खासकर ईरानी हमलों के बाद।

# सिहावल में सामूहिक विवाह: निकाह समारोह 83 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, 6 निकाह संपन्न

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत प्रोग्राम सिहावल में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत अध्यक्ष मंजु सिंह की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ विवाह संपन्न कराए गए। पूरे आयोजन में



पारंपरिक उल्लास सांस्कृतिक गरिमा एवं सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सभी नवदंपतियों को शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली 49-49 हजार रुपए की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। सांसद डॉ. मिश्रा ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना समाज के कमजोर एवं आर्थिक रूप से

पिछड़े वर्गों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि विवाह जैसे महत्वपूर्ण संस्कार को सम्मानजनक और सहज बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवदंपतियों से आह्वान किया कि वे नशाकर जीवन अपनाएं, परिवार की जिम्मेदारियों को समझें और आपसी प्रेम विश्वास एवं संस्कारों के साथ अपने जीवन को नई

निकाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी और अभिनव पहल है पहले जहां बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों में चिंता रहती थी वहीं अब इस योजना ने उस चिंता को काफी हद तक दूर किया है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना था कि समाज के अतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे इसी सोच के साथ सरकार कार्य कर रही है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कानून एवं संविधान के दायरे में रहकर अपने जीवन को आगे बढ़ाएं और शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें जिला पंचायत अध्यक्ष मंजु सिंह ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह कार्यक्रम सामाजिक समरसता भाईचारे और सहयोग

की भावना को मजबूत करते हैं उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है बल्कि समाज में समानता और गरिमा का संदेश भी देती है। उन्होंने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे अपने वैवाहिक जीवन को प्रेम समझदारी और आपसी सहयोग से आगे बढ़ाएं तथा समाज के लिए प्रेरणा बनें। जनगणना 2027: सीधी जिला जनगणना के लिए पूरी तरह तैयार है मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत सिहावल में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा जनगणना 2027 की शपथ दिलाई गई इस अवसर पर नवदंपतियों सहित उपस्थित सभी नागरिकों ने जनगणना की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

एनसीएल जयंत हेडक्वार्टर के पास जंगल में लगी आग एक किमी से ज्यादा क्षेत्र प्रभावित अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जयंत क्षेत्र में नॉर्दन कोलफील्ड लिमिटेड (एनसीएल) के हेडक्वार्टर से सटे जंगल में भीषण आग लग गई। आग घने पेड़ों वाले इलाके में तेजी से फैली और एक किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। इससे बड़ी संख्या में पेड़ जलकर नष्ट हो गए और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा है शरारती तत्वों पर संदेह प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा लगाई गई बताई जा रही है आग लगने का सटीक समय स्पष्ट नहीं है लेकिन दोपहर करीब 3 बजे तक यह काफी फैल चुकी थी स्थानीय लोगों का

आरोप है कि आग लगने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी समय पर मौके पर नहीं पहुंचे और न ही आग बुझाने के लिए तुरंत टोस प्रयास किए गए जिससे आग लगातार फैलती रही प्रबंधन ने कार्रवाई का दिया आश्वासन गौरतलब है कि एनसीएल हर साल बड़े पैमाने पर पौधरोपण का दावा करती है, लेकिन इस घटना के बाद पेड़ों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं इस मामले में एनसीएल के जनसंपर्क अधिकारी रामविजय सिंह ने बताया कि संभवतः किसी शरारती तत्व ने आग लगाई है उन्होंने कहा कि जयंत प्रबंधन से जानकारी लेकर जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हुई मनीषा के गृहस्थ जीवन की शुरुआत

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना प्रदेश सरकार की एक अनूठी एवं जनकल्याणकारी पहल है जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह गरिमामय और धूमधाम से संपन्न कराया जा रहा है इस योजना के तहत न केवल बेटियों के विवाह की व्यवस्था की जाती है बल्कि उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री हेतु आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है इससे एक ओर बेटियों के सपनों को साकार होने का अवसर मिलता है वहीं दूसरी ओर माता-पिता की वर्षों पुरानी चिंता भी दूर हो रही है इसी क्रम में सीधी जिले के सिहावल में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में ग्राम लौआ निवासी मनीषा कन्या विवाह योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ मनीषा बताती हैं कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है।

और आय के सीमित साधनों के कारण उनके पिता को उनकी शादी की चिंता हमेशा बनी रहती थी उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से उनका विवाह पूरे रीति-रिवाजों और सम्मानजनक ढंग से संपन्न हुआ जिससे उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है मनीषा ने कहा कि अब वे अपने गृहस्थ जीवन की नई शुरुआत आत्मविश्वास और खुशी के साथ कर रही हैं मनीषा और उनके परिवार ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जैसे कई परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है जिससे बेटियों के विवाह की चिंता समाप्त हो रही है और वे सम्मानपूर्वक अपने नए जीवन की शुरुआत कर पा रही हैं।

## पिकअप ने बाइक सवारों को रौंदा, दूसरा गंभीर घायल ड्राइवर फरार; आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन एक की मौत

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया अमिलिया-चुरहट मार्ग पर डिहुली पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर ही तोड़ा दम, एक की हातक गंभीर मृतक की पहचान डिहुली निवासी संतोष शुक्ला के रूप में हुई है वह घर से बाजार सामान लेने जा रहे थे तभी हादसा हुआ टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरे घायल युवक को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और उसकी पहचान नहीं हो



सकी है चालक फरार पुलिस तलाश में जुटी हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि आरोपी की तलाश

की जा रही है घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है मृतक की पत्नी रानी ने कहा कि जब तक आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती तब तक वे शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने देंगे मौके पर कुछ देर तनाव की स्थिति बनी रही।

## कलेक्टर बोले मैं अधिकारी नहीं आपका नौकर हूं, महिला के सामने हाथ जोड़ते हुए कहा मालिक आप लोग हैं बसंती बाई मुस्कुराते हुए गई

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे सीधी जिले के मञ्जौली जनपद पंचायत के ग्राम नेवूहा में शनिवार को जन समस्या समाधान शिविर लगा था शाम करीब 4 बजे हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में काफी भीड़ थी। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे कलेक्टर विकास मिश्रा खुद लोगों की समस्याएं सुन रहे थे इसी दौरान ग्राम पंचायत की पंच ललिता सेन आगे आई उन्होंने सरपंच बसंती कोल के खिलाफ शिकायत की कलेक्टर ने समस्या सुनकर उसके निराकरण का आश्वासन दिया इस पर पंच ने



उन्हें धन्यवाद दिया तो कलेक्टर ने कहा- मैं तो आपका नौकर हूं मालिक आप लोग हैं शिकायत पर कलेक्टर ने जांच का भरोसा दिया पंच ललिता सेन ने सरपंच और संचिव पर मनमाने तरीके से काम करने और राशि के आहरण में गड़बड़ी का आरोप भी लगाया। शिकायत में कहा कि पंचायत में नियमित ग्राम सभाएं और बैठकें नहीं होतीं। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शिकायत को गंभीरता से सुना और जांच का



भरोसा दियाशिकायत के बाद माहौल थोड़ा गंभीर था महिला पंच ने कलेक्टर को धन्यवाद दिया। तभी कलेक्टर ने हाथ जोड़कर कह मैं अधिकारी नहीं, आपका नौकर हूं मालिक आप लोग हैं यह सुनकर वहां मौजूद लोग चौंक गए। बसंती बाई मुस्कुराईं और वहां से चली गई कलेक्टर बोले- आपसी मतभेद भुलाकर काम करें पंच ललिता सेन की शिकायत और आरोपों को सरपंच बसंती कोल ने

## बैंक डकैती: 15 लाख नकद और 61 ग्राम सोना बरामद पुलिस कोच में रखे थी नजर एक आरोपी बिहार से गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में बैंडून स्थित बैंक शाखा में हुई डकैती के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है वारदात में शामिल एक आरोपी कमलेश कुमार को बिहार के डेहरी ऑन सोन स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 15 लाख 72 हजार रुपए नकद और 61 ग्राम सोना बरामद किया गया है बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी कमलेश कुमार बिहार के नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्वाल बिगहा गांव का निवासी है आरपीएफ प्रभारी रामविलास ने बताया कि सिंगरौली से पटना जा रही सिंगरौली एक्सप्रेस ट्रेन में तैनात सिपाही उमाकांत और मोहम्मद नजर ने एक संदिग्ध



युवक को देखा। युवक का हुलिया सिंगरौली डकैती कांड के आरोपियों से मेल खा रहा था। इस पर तत्काल आरपीएफ प्रभारी को सूचना दी गई आरोपी पर रखी गई नजर प्रभारी के निर्देश पर उसने सिंगरौली में हुई बैंक डकैती में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली आरोपी ने बताया कि वारदात के बाद उसे अपने हिस्से का पैसा और सोना मिला था जिसे लेकर वह अपने

गांव जा रहा था पंच आरोपी पूरी जानकारी थी पुलिस के अनुसार इस डकैती में कुल पांच आरोपी शामिल थे जिन्होंने पूरी योजना के तहत बैंक को निशाना बनाया था आरोपियों को बैंक की संरचना और लॉकर व्यवस्था की पहले से जानकारी थी। फिलहाल पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

गांव जा रहा था पंच आरोपी पूरी जानकारी थी पुलिस के अनुसार इस डकैती में कुल पांच आरोपी शामिल थे जिन्होंने पूरी योजना के तहत बैंक को निशाना बनाया था आरोपियों को बैंक की संरचना और लॉकर व्यवस्था की पहले से जानकारी थी। फिलहाल पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

## पुराने वाहनों, प्रदूषण, नशे में ड्राइविंग पर जीरो टॉलरेंस लागू सिंगरौली में बिना लाइसेंस और ओवरलोडिंग पर होगी सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए प्रशासन ने आदर्श परिवहन मॉडल लागू किया है। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर तैयार इस योजना में 10 प्रमुख बिंदुओं पर सख्ती से काम किया जाएगा योजना के तहत 15 साल से अधिक पुराने वाहनों पर नियंत्रण रखा जाएगा। साथ ही प्रदूषण जांच (PUC) वाहन फिटनेस परमिट और बीमा की नियमित जांच की जाएगी बिना लाइसेंस और नशे में ड्राइविंग पर कार्रवाई बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है गति सीमा का पालन कराने के लिए प्रशासन स्पीड गन और कैमरों की मदद लेगा, ताकि नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके बस-ऑटो



के रूट तय, ओवरलोडिंग पर रोक शहर में सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित करने के लिए बसों और ऑटो के लिए तय रूट और स्टॉप निर्धारित किए जाएंगे ओवरलोडिंग और बिना तिरपाल के माल ढोने पर पूरी तरह रोक रहेगी सरिया और कबाड़ जैसे खतरनाक सामान खुले में ले जाने वाले छोटे वाहनों पर भी खस नजर रखी जाएगी प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर सख्ती प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई तेज की जाएगी। बिना फिटनेस वाले वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं होगी दुर्घटनाएं कम करने और भरोसा बढ़ाने पर जोर प्रशासन का मानना है कि इस योजना के लागू होने से सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी, प्रदूषण घटेगा और लोगों का भरोसा बढ़ेगा अधिकारियों को नियमित निगरानी और अनुशासन के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने सिंगरौली को न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश का आदर्श परिवहन जिला बनाने का लक्ष्य तय किया है।

जाएगी। बिना फिटनेस वाले वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं होगी दुर्घटनाएं कम करने और भरोसा बढ़ाने पर जोर प्रशासन का मानना है कि इस योजना के लागू होने से सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी, प्रदूषण घटेगा और लोगों का भरोसा बढ़ेगा अधिकारियों को नियमित निगरानी और अनुशासन के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने सिंगरौली को न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश का आदर्श परिवहन जिला बनाने का लक्ष्य तय किया है।

# सोन नदी में अवैध रेत उत्खनन: 9 हाईवा जब्त आधी रात छापा, संजय टाइगर रिजर्व टीम ने लिया एक्शन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है सोन चंडियाल अभयारण्य की टीम ने संजय टाइगर रिजर्व के उपसंचालक के नेतृत्व में कुबरी घाट पर देर रात छापा मारा इस दौरान रेत से लदे 9 हाईवा और ट्रक जब्त किए गए यह कार्रवाई सीधी और मेहर जिले की सीमा से जुड़े क्षेत्र में हुई, जहां लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल चल रहा था। टीम ने रात करीब 12 बजे से सुबह 5 बजे तक लगातार



कार्रवाई की कई वाहन मौके से लेकर भागे माफिया छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद रेत माफिया में अफरा-तफरी मच



गई। कई वाहन चालक और माफिया जेसीबी मशीन सहित लगभग आधा दर्जन वाहनों को मौके से भगाने में सफल रहे।



हालांकि, 9 रेत से लदे हाईवा और ट्रक टीम के हाथ लग गए जब किए गए इन वाहनों को सीधी जिले के जमोड़ी स्थित

काष्ठगार में खड़ा कर दिया गया है रविवार दोपहर 12 बजे तक यह प्रक्रिया पूरी कर ली गई यह कार्रवाई सोन चंडियाल

अभयारण्य क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है पुष्पा सूचना मिलने पर लिया एक्शन संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ राजेश कन्ना टी ने बताया कि उनकी टीम कई दिनों से लगातार औचक निरीक्षण कर रही थी। पुष्पा सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है पकड़े गए सभी वाहनों को राजसात (जब्त) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन वाहनों को सोन नदी के भीतर से पकड़ा गया है इसलिए इन्हें छुड़ाना लगभग नामुमकिन है।

## घर के पीछे फंदे पर लटका मिला अडेड़ का शव कहा-सबूत मिटाने के लिए फांसी पर लटकाया

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के पनहा गांव में एक 56 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला है मृतक की पहचान बिहारी लाल गुप्ता के रूप में हुई है उनका शव घर के पीछे पाया गया घटना की सूचना पर पश्चिमी पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही थी लेकिन मृतक के परिजनों ने इस पर सवाल उठाए हैं मृतक के बेटे रामस्वरूप गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उनके पिता की हत्या की गई है और बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को फंदे पर लटकाया गया हालांकि उसने किसी भी व्यक्ति के ऊपर आशंका जाहिर नहीं की है पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर



पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अधिकारियों ने बताया कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो पाएगा चौकी प्रभारी देवराज सिंह ने जानकारी दी कि पुलिस टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई थी उन्होंने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या है या हत्या लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

## युद्धविराम पर संशय, कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ता है तो कभी अमेरिका

ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर इसे फिर बंद कर दिया। इससे पश्चिम एशिया में युद्धविराम पर संशय गहरा गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री की ओर से होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने की घोषणा को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि ईरानी सेना ने उस पर फिर से अपना पहरा बैजाने का फैसला कर लिया। उसने इस कारण होर्मुज को फिर से बंद करने का

फैसला किया, क्योंकि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखने पर अड़ा है। साफ है कि पश्चिम एशिया संकट के मामले में कभी ईरान अपनी जिद पर अड़ता है तो कभी अमेरिका। जब युद्धविराम की शर्तों के तहत होर्मुज खोलने पर सहमत बन गई थी और उसका दायरा लेबनान तक प्रभावी हो जाने के बाद ईरान ने इस समुद्री मार्ग को पूरी तरह खोलने की घोषणा कर दी थी तो फिर अमेरिका को भी ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी करने के अपने फैसले से पीछे हट

जाना चाहिए था। तब तो और भी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के फैसले का स्वागत किया और दोनों देश दूसरे दौर की शांति वार्ता करने की संभावनाएँ भी टटोल रहे हैं। यह अमेरिका और ईरान के साथ पश्चिम एशिया के लिए ही आवश्यक नहीं है कि दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी रूप दिया जाए, बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी आवश्यक है,

### संपादकीय

क्योंकि होर्मुज के बाधित होने के कारण विश्व भर में ऊर्जा संकट गहरा रहा है। वैसे तो इस समुद्री मार्ग के बाधित होने से सबसे अधिक भारत और अन्य एशियाई देश प्रभावित होते हैं, लेकिन इस मार्ग से तेल और गैस की आपूर्ति में कमी आने के नतीजे में उनके दाम बढ़ने का असर पूरे विश्व पर पड़ता है।

यह ठीक है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की अनुमति एक माह के लिए और बढ़ा दी, लेकिन आखिर वह यह तय करने वाला होता कौन है कि किस देश से तेल-गैस खरीदा जा सकता है? अमेरिका अपने स्वार्थों के चलते किसी न किसी ऊर्जा संपन्न देश पर प्रतिबंध लगाता ही रहता है। ईरान, वेनेजुएला और रूस इसके उदाहरण हैं। इसके दुष्परिणाम संबंधित देश के साथ अन्य देश भी भोगते हैं। अमेरिका यह जो मनमानी करता है, उसे चुनौती दी जानी

आवश्यक है। यह अच्छा है कि भारत रूस से तेल खरीद मामले में अमेरिका के रवैये की परवाह नहीं कर रहा है। भारत को न केवल अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने चाहिए, बल्कि खुद को आर्थिक रूप से इतना सक्षम भी बनाना चाहिए कि अमेरिका किसी तरह का अनुचित दबाव न डालने पाए। अमेरिका और ईरान के बीच लागू अस्थायी युद्धविराम की अवधि जैसे-जैसे करीब आ रही है, उसके स्थायी रूप लेने पर वैसे-वैसे संशय बढ़ रहा है।

## सहानुभूति का रिफ्टेड संग्राम

डॉ. सत्यवान सौरभ

(हिसार की घटना और राजनीति का नया संगमच)

हिसार की सड़कों पर जो कुछ हुआ, वह एक साधारण टकराव भर नहीं था; वह हमारे समय की राजनीति की जटिलताओं का एक जीवंत दृश्य था, जिसमें भावनाएं, सत्ता, पुलिसिया रवैया और जनमानस-सब एक साथ उलझे हुए दिखाई देते हैं। पूर्व छिप्टी सीएम और एक पुलिस इस्पेक्टर के बीच का विवाद अब केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श में बदल चुका है। इस पूरे घटनाक्रम को जिस तरह सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पेश किया जा रहा है, वह यह संकेत देता है कि आज की राजनीति में घटनाएं जितनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनका प्रस्तुतिकरण होता है। सवाल यह नहीं रह जाता कि हुआ क्या, बल्कि यह बन जाता है कि दिखाया क्या जा रहा है और उससे कौन-सा भाव पैदा किया जा रहा है।

आज के दौर में सहानुभूति सबसे बड़ा राजनीतिक पूंजी बन चुकी है। चुनावी गणित में आंकड़े जितने मायने रखते हैं, उससे कहीं अधिक असर भावनाओं का होता है। यही कारण है कि अक्सर छोटी-छोटी घटनाओं को इस तरह से उभारा जाता है कि वे एक बड़े अन्याय या संघर्ष का प्रतीक बन जाएं। हिसार की यह घटना भी कुछ इसी दिशा में जाती प्रतीत होती है, जहाँ एक टकराव को 'पीड़ित बनाम तंत्र' के नैरेटिव में ढालने की कोशिश नजर आती है। वीडियो क्लिप्स के आधार पर लोग अपने-अपने निष्कर्ष निकाल रहे हैं—कहीं इस्पेक्टर का व्यवहार आक्रामक दिखता है, तो कहीं राजनीतिक पक्ष की प्रतिक्रिया उत्तेजित नजर आती है। लेकिन इन टुकड़ों में बड़ी तस्वीर के आधार पर पूरी सच्चाई का आकलन करना न केवल मुश्किल है, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि अधूरी जानकारी अक्सर गलत धारणा को जन्म देती है।

यह समझना जरूरी है कि राजनीति में हर घटना का एक 'पोस्ट-इवेंट लाइफ' होता है—यानी घटना के बाद उसे किस तरह से भुनाया जाता है। कई बार घटनाएँ स्वतः घटित होती हैं, लेकिन उनके बाद जो नैरेटिव गढ़ा जाता है, वह पूरी तरह से राजनीतिक होता है। हिसार की घटना में भी यही सवाल उठता है कि क्या यह केवल एक आकस्मिक टकराव था, या फिर इसे एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर हम पिछले राजनीतिक घटनाक्रमों को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि सत्ता से दूरी बनने के बाद नेताओं द्वारा 'पीड़ित' की छवि गढ़ना एक सामान्य रणनीति बन चुकी है। कल तक जो सत्ता के साथ खड़ा था, आज वही सत्ता के खिलाफ खड़ा होकर जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करता है। यह राजनीति का नया नहीं, बल्कि परखा हुआ फार्मूला है।

हालांकि, इस पूरी बहस में पुलिस की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर वीडियो में दिख रहा व्यवहार सही है, तो यह निश्चित रूप से पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस का काम कानून लागू करना है, न कि अपनी व्यक्तिगत या संस्थागत शक्ति का प्रदर्शन करना। जब पुलिस का रवैया आक्रामक या पक्षपाती नजर आता है, तो जनता के बीच पहले से मौजूद अविश्वास और गहरा हो जाता है। लेकिन इसी के साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक कार्यकर्ता को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। अगर किसी नेता या उसके समर्थकों द्वारा भी अनुचित व्यवहार किया गया है, तो उसे भी उतनी ही गंभीरता से देखा जाना चाहिए।

यही वह बिंदु है जहाँ यह पूरा मामला 'नेता बनाम इस्पेक्टर' की सीमाओं से बाहर निकलकर 'सिस्टम बनाम सच्चाई' की लड़ाई में बदल जाता है। इस लड़ाई में सबसे बड़ा खतरा यह है कि सच्चाई कहीं बीच में दबकर रह जाती है और उसके स्थान पर भावनाएँ हावी हो जाती हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में हर व्यक्ति खुद को विश्लेषक मान बैठा है, और हर वीडियो क्लिप को 'सबूत' बना जाता है। लेकिन यह भूल जाना आसान है कि हर वीडियो का एक संदर्भ होता है, एक पृष्ठभूमि होती है, जो अक्सर कैमरे में कैद नहीं होती।

आज का समाज तेजी से 'इंस्टेंट जजमेंट' की ओर बढ़ रहा है, जहाँ फैसले तथ्यों के आधार पर नहीं, बल्कि भावनाओं के आधार पर लिए जाते हैं। पुलिस के प्रति पहले से ही लोगों में एक तरह का गुस्सा है, जो कई बार उचित भी होता है।

## बदलती मतदाता

### एडवोकेट किशन सनमुदास भावना-16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम का समय वैश्विक विश्लेषण

16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी नई राजनीतिक चेतना को उजागर किया है, जहाँ जनता केवल परिणाम नहीं बल्कि प्रक्रिया की वैधता और पारदर्शिता को भी परख रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुदास भावनाओं गोदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि 16-17 अप्रैल 2026 के दो दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गए। एक ओर नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 जिसपर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होकर पहले अधिनियम बन चुका था उसको 16 अप्रैल 2026 को आधी रात में लागू करने की अधिसूचना जारी की गई, वहीं दूसरी ओर संसदीय प्रक्रिया के तहत रूल 66 को निलंबित कर तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को एक साथ जोड़कर पारित करने का प्रयास किया गया। लोकसभा में कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिसमें पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, लेकिन दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता के कारण यह विधेयक 54 मतों से गिर गया। यह केवल एक विधायी असफलता नहीं थी, बल्कि यह राजनीतिक रणनीति, संवैधानिक प्रक्रिया और वैचारिक मतभेदों के बीच गहरे संघर्ष का प्रतीक बन गया।

साथियों बात अगर हम जनता के मन में उठते सवाल: पारदर्शिता बनाम राजनीतिक रणनीति को समझने की करें तो, इस घटनाक्रम के बाद जनता के मन में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उभर कर सामने आए। यदि 2023 में ही राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी थी, तो इसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया? महिला आरक्षण के मुद्दे पर जब पूरे विपक्ष की व्यापक सहमति थी, तो उसे परिशीलन और सौटों की संख्या बढ़ाने जैसे विवादित मुद्दों के साथ क्यों जोड़ा गया? इन प्रश्नों ने यह संकेत दिया कि जनता अब केवल क्या हुआ पर नहीं, बल्कि कैसे और क्यों हुआ पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। यही बदलती सोच राजनीतिक दलों की

विश्वसनीयता के लिए एक सटीक रूप से नई चुनौती बनती जा रही है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठ और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टि: नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है। इस संदर्भ में इंटर्नेशनल मोनेटरी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क प्रोफाइल) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लो) पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है। शेयर बाजार की मनोविज्ञान: अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है, शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं, तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है। विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में बहुत तेजी से गिरावट तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक निर्णयों की विश्वसनीयता पर प्रश्न इसको समझने की करें तो सरकार द्वारा आधी रात में अधिनियम लागू करना, संसदीय नियमों को निलंबित करना और कई विधेयकों को एक साथ जोड़ना ये सभी कदम विपक्ष के लिए सीमित विकल्प छोड़ते हैं। हालांकि यह रणनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावी हो सकता है, लेकिन इससे सरकार की नीतिगत



पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न भी लग सकता है। वैश्विक निवेशक ऐसे संकेतों को 'नीतिगत जोखिम' (पॉलिसी रिस्क) के रूप में देखते हैं, जो दीर्घकालिक निवेश निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास का संबंध इसको समझने की करें तो जमीनी स्तर पर यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि राजनीतिक सशक्तिकरण से सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में सुधार होता है, जिससे समग्र आर्थिक विकास को गति मिलती है।

साथियों बात अगर हम भारत में महिला श्रम भागीदारी दर के दृष्टिकोण से देखें तो इसमें वृद्धि हुई है, लेकिन यह अभी भी पुरुषों की तुलना में काफी कम है। यदि इस अंतर को कम किया जाए, तो आर्थिक विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में 50 प्रतिशत तक सुधार किया जाए, तो भारत की जीडीपी वृद्धि दर में प्रति

वर्ष लगभग 1 प्रतिशत अंक की वृद्धि हो सकती है। वर्तमान में लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में यह लगभग 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त आर्थिक मूल्य है। यह आंकड़ा यह दर्शाता है कि महिला सशक्तिकरण केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि एक ठोस आर्थिक रणनीति भी है। साथियों बात अगर हम राजनीतिक अस्थिरता और निवेशक विश्वास को समझने की करें तो भारत विजन 2047 की तरफ कदम बढ़ा चुका है, 17 अप्रैल 2026 को विधेयक का गिरना विदेशी निवेशकों के लिए एक चेतावनी संकेत के रूप में देखा जा सकता है। आम तौर पर निवेशक स्थिर और मजबूत सरकारों को प्राथमिकता देते हैं, जहाँ नीतिगत निर्णय तेजी से और स्पष्ट रूप से लागू किए जा सकें। हालांकि, यदि सरकार अन्य आर्थिक सुधारों को जारी रखती है, तो यह नकारात्मक प्रभाव दीर्घकाल में सीमित भी रह सकता है।

साथियों बात अगर हम विपक्ष-कॉमर्स बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था: नया आर्थिक संघर्ष इसको समझने की करें तो भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक

दिलचस्प द्रढ़ से गुजर रही है, एक ओर तेजी से बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम है, और दूसरी ओर पारंपरिक किराना और खुदरा नेटवर्क। जेपेटो, ब्लाईफैट और स्विगी इन्टरमार्ट जैसे प्लेटफॉर्मस ने बाजार में तेज प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इन कंपनियों के खिलाफ चिंता जताई है कि उनकी आक्रामक मूल्य निर्धारण रणनीति पारंपरिक व्यवसायों को नुकसान पहुंचा रही है। आईपीओ और निवेशकों के लिए जोखिम की स्थिति यह है कि यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह खुदरा निवेशकों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। बाजार में यदि बबल बनता है और वह फूटता है, तो इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। इससे न केवल निवेशकों का विश्वास प्रभावित होगा, बल्कि भारत की नियामक साख पर भी प्रश्न उठ सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और भविष्य की दिशा, 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल आर्थिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। यहाँ एक ओर तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, तो दूसरी ओर जटिल राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी हैं। यदि सरकार पारदर्शिता, सहमति और स्थिरता को प्राथमिकता देती है, तो यह स्थिति भारत के लिए एक अवसर बन सकती है। अन्यथा, नीतिगत अनिश्चितता और राजनीतिक अस्थिरता निवेशकों के विश्वास को कमजोर कर सकती है। इसलिए, भारत की सफलता इस बात पर नीतिगत निर्णय तेजी से और स्पष्ट रूप से लागू किए जा सकें। हालांकि, यदि सरकार अन्य आर्थिक सुधारों को जारी रखती है, तो यह नकारात्मक प्रभाव दीर्घकाल में सीमित भी रह सकता है। साथियों बात अगर हम विपक्ष-कॉमर्स बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था: नया आर्थिक संघर्ष इसको समझने की करें तो भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक

## कोविड 19: जख्मों पर मरहम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मुस्ताअली बोहरा

अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी आंकड़े स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद कुछ मौतें हुई हैं, इसलिए प्रभावित परिवारों को बिना किसी राहत व्यवस्था के नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन के अधिकार) को केवल गलती या लापरवाही के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर प्रतिकूल प्रभावों के लिए 'नो-फॉल्ट मुआवजा नीति' तैयार करें। यह आदेश रचना गांगू बनाम भारत संघ समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिन्हें उन परिवारों ने दायर किया था जिन्होंने टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि महामारी के दौरान चलाया गया टीकाकरण कार्यक्रम राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का हिस्सा था और इससे कई लोगों की जान बची। लेकिन यदि सरकारी डेटा यह दिखाता है कि कुछ लोगों की मौत या गंभीर दुष्प्रभाव हुए हैं, तो राज्य इससे पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। कोर्ट में याचिकाकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय शोधों का हवाला देते हुए कहा था कि एस्ट्राजेनेका प्लेटफॉर्म (जिसका भारतीय संस्करण कोविशील्ड है) से दुर्लभ रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं के

मामले सामने आए हैं और इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बड़े पैमाने पर चलने वाले टीकाकरण कार्यक्रमों में वैज्ञानिक रूप से यह साबित करना कि नुकसान किस कारण हुआ, अक्सर जटिल होता है। ऐसे में केवल लापरवाही साबित करने पर आधारित कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होते, क्योंकि इससे प्रभावित परिवारों पर भारी बोझ पड़ता है और परिणाम असंगत हो सकते हैं। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे कई देशों में वैक्सिन से जुड़े दुष्प्रभावों के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा योजना मौजूद है, जिससे बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता मिल जाती है। मालूम हो कि केंद्र सरकार ने सन 2022 में कोर्ट में दाखिल किए गए जवाबों हलफनामों में कहा था कि टीकाकरण स्वैच्छिक था और लोगों ने जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगावा था, इसलिए सरकार मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं है। सरकार के अनुसार लोगों ने संभावित जोखिमों की जानकारी के आधार पर स्वयं निर्णय लेकर टीका लगावा था। पाठकों को यह गण्य है कि कोविड वैक्सिन



के विपरीत प्रभाव के कारण मौतों की खबर सामने आ रही थी तब सरकार की ओर से कभी जिम तो कभी डांस को मौत का कारण बता दिया जाता था। या फिर कभी किसी मृतक की पुरानी बीमारी जैसे हार्ट डिजीज, या टीबी या ऐसी ही किसी बीमारी की वजह से मौत होना बता दिया जाता था। पाठकों को बता दें कि एम्स दिल्ली के पैथोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग ने मई 2023 से अप्रैल 2024 तक स्टडी की थी। यह स्टडी इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित भी हुई है। इसमें हत्या, आत्महत्या और नशे की वजह से मौतों को छोड़कर अचानक होने वाली मौतों पर रिसर्च किया गया। 19-45 साल और 46-65 साल के लोगों की मौतों के डेटा से ये ज्यादा मामलों की जांच हुई। अध्ययन में पाया गया कि युवाओं में दो तिहाई मौतों की वजह दिल की बीमारियाँ थीं। इन मौतों में अधिकांश मामलों में एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज पाई गईं, मतलब दिल की नसों में 70 प्रतिशत से अधिक ब्लॉकज। इसके अलावा युवाओं की मौत के एक तिहाई मामलों में सांस से जुड़ी बीमारियाँ जैसे न्यूमोनिया, टीबी को पाया गया। बीस फीसदी मामलों में मौतों की कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल

सकी। एम्स की स्टडी में बताया गया है कि इन मौतों के मामलों में औसत उम्र सिर्फ 30.5 साल थी। इसमें सबसे ज्यादा मामले 30-40 साल की उम्र के 50 प्रतिशत और 20-30 साल की उम्र के 40 प्रतिशत लोगों के थे। आधे मामलों में जब दिल की टिश्यू की बारीक जांच (हिस्टोपैथोलॉजी) की गई, तो उसमें दिल में कुछ हल्के-मामूली बदलाव दिखे जैसे दिल की मांसपेशियाँ थोड़ी मोटी हो जाना, धमनियों में चर्बी का जमाव। स्टडी में कहा गया कि ये बदलाव इतने गंभीर नहीं थे कि मौत का सीधा कारण बन सकें। एम्स स्टडी में युवाओं की अचानक मौतों का सबसे बड़ा कारण दिल से जुड़ी बीमारियाँ बताई गई हैं। इसके अलावा सांस की समस्याएँ और हार्ट अटैक आदि की मुख्य वजह बताई गई हैं। हालांकि, एम्स दिल्ली की स्टडी और रिपोर्ट में पुणे डॉक्टर अमिताभ बनर्जी ने कहा था कि स्टडी में करीब बीस प्रतिशत मामलों में मौत का कारण पता नहीं चला, क्या इन अज्ञात मामलों में कोविड वैक्सिन का कोई रोल तो नहीं? डॉक्टर अमिताभ बनर्जी भारत में इस्तेमाल हुई कोविशील्ड वैक्सिन के संदर्भ में कहते हैं यूरोप के कई देशों ने कोविशील्ड वैक्सिन को दुर्लभ लेकिन गंभीर साइड इफेक्ट्स जैसे ब्लड क्लॉट्स की वजह से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। उन्होंने

एस्ट्राजेनेका की वैक्सिन के उत्पादन बंद होने पर भी सवाल उठाया था। कोरोना का टीका बनाने वाली फार्मास्यूटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ये माना था कि उसके वैक्सिन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। कंपनी ने ब्रिटेन के हाई कोर्ट में इस बात को माना था कि वैक्सिन के कारण किसी को थ्रोम्बोसिस जिन शोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम जैसी स्थिति हो सकती है। एस्ट्राजेनेका ने ही भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर कोविशील्ड को तैयार किया था। खैर ये माना जा सकता है कि ये साइड इफेक्ट्स रेपेरेस्ट ऑफ द रेयर है लेकिन जब करोड़ों लोगों पर इसका उपयोग हो तो प्रभावितों की संख्या में अधिक हो सकती है। एम्स की रिपोर्ट भले ही ये कहती है कि वैक्सिन का अचानक हुई मौतों खासकर युवाओं की मौतों, से कोई संबंध नहीं है लेकिन एम्स को अपनी स्टडी में यह भी बताना था कि फिर आखिर वे कौन से कारण हैं जिनसे युवाओं की अचानक मौतें हुईं। अचानक होने वाली मौतों का सिलसिला तो अभी भी जारी है। बहरहाल, कोरोना का असर वैश्विक था। लेकिन, जितनी मौतें भारत में हुईं शायद ही किसी और देश में इतनी मौतें हुईं ही खासकर युवाओं की। जो भी हो, शीघ्र अदालत के इस फैसले से उन पीड़ितों को जरूर राहत मिलेगी जो वैक्सिन के विपरीत असर की वजह से पीड़ित हैं। सुप्रीम कोर्ट का ये निर्णय मृतकों के परिजनों और पीड़ितों के जब पर मरहम का काम जरूर करेगा।

ईजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग के बीच अहम खबर दबकर रह गई। ये खबर जुड़ी है सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले से जो कोविड-19 को लेकर दिया गया है। कुछ दिनों पहले ही याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड-19 टीकाकरण के बाद होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में 'दोष तय किए बिना मुआवजा देने की नीति' तैयार की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब कोई टीकाकरण कार्यक्रम राज्य द्वारा संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के रूप में चलाया जाता है, तो सरकार उन परिवारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती जो टीकाकरण के बाद मौत या गंभीर दुष्प्रभावों का आरोप लगाते हैं।

3 मोटर बोट-एक पनडुब्बी जब्त, टीम देख भागे मजदूर

# नर्मदा में अवैध रेत खनन बाबरी घाट पर खनिज विभाग की दबिश, पसीने छूटे



**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)**। नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील स्थित बाबरी घाट पर खनिज विभाग ने अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार शाम नर्मदा नदी की बीच धार में दबिश देकर 3 मोटर बोट और एक पनडुब्बी जब्त की गई है। जब मशीनों को शिवपुर थाने में रखवाया गया है और आरोपियों के



खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है खनिज अधिकारी देवेश मरकाम के नेतृत्व में खनिज निरीक्षक केके परसे और होमगार्ड की संयुक्त टीम ने शनिवार शाम 4 बजे यह दबिश दी थी। खनिज

टीम को आता देख रेत उत्खनन और परिवहन कर रहे मजदूर मौके से भाग गए। इसके बाद टीम को नदी से उपकरण किनारे लाने में काफी मशकत करनी पड़ी। पनडुब्बी को बाबरी घाट से शिवपुर

थाने तक ले जाने में भी टीम के पसीने छूट गए ट्रैक्टर में लादकर लाए उपकरण रात 10 बजे पहुंची टीम पनडुब्बी और नाव को पानी से निकालकर ट्रैक्टर में लोड किया गया। घाट से शिवपुर थाने की दूरी

करीब 10 किलोमीटर है। इस भारी भ्रमण मशीन को ट्रैक्टर से लाने में टीम को 3 घंटे लग गए। इसी वजह से खनिज अधिकारी और उनकी टीम रात 10 बजे शिवपुर थाने पहुंच सकी पुलिस अभिरक्षा में रखी मशीनें नियम 2022 के तहत कार्रवाई कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जब किए गए सभी वाहनों व उपकरणों को विधिवत शिवपुर थाने की पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित प्रकरण में मध्य प्रदेश खनिज नियम 2022 के प्रावधानों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कक्षा 12वीं की टॉपर रितिका की कहानी

## बचपन में माता-पिता को खोया, आर्ट्स टॉपर आंशिक के पिता चलाते हैं सैलून

**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)**। कहते हैं विषम परिस्थितियों से जूझते हुए अपने सपनों को साकार करने का जज्बा अगर मजबूत हो तो सफलता की राह खुद बन जाती है। इसी कहावत को चरितार्थ किया है नर्मदापुरम जिले की कक्षा 12वीं की होम साइंस विषय की छात्रा रितिका कुरुचि ने। पथरौटा के सरकारी स्कूल की छात्रा रितिका कुरुचि ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 91.4 प्रतिशत अंक हासिल कर होम साइंस विषय में टॉप किया है। बचपन में ही माता-पिता को खो चुकी रितिका ने दादा-दादी के साथ रहकर यह सफलता हासिल की है जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में विधायक और कलेक्टर ने रितिका को सम्मानित किया है घर के काम के साथ की पढ़ाई परियोजना-शिक्षकों को दिया श्रेय बचपन में ही रितिका के सिर से माता-पिता का साया उठ गया

था। रितिका अपने दादा-दादी और चाचा-चाची के साथ रहकर पढ़ाई कर रही हैं घर के कामकाज और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सहयोग करते हुए उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी इस सफलता का श्रेय रितिका ने अपने परिजनों, शिक्षकों और मित्रों को दिया है। रितिका के संघर्ष और सफलता पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा तथा कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने उन्हें सम्मानित किया 20 घंटे बाद चला जिले में टॉप करने का पता पिता चलाते हैं सैलून एमपी बोर्ड परीक्षा में रितिका की तरह ही अन्य सरकारी स्कूलों और ग्रामीण विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। इन छात्रों के माता-पिता मिस्त्री, बाइक मैकेनिक और सैलून चलाते हैं आर्ट्स संकाय में तारारोड़ा गांव की आंशिक साराटे ने 93.2 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में टॉप किया है।

रुकी गई 14 ट्रेनें बहाल रायगढ़-कोरबा लाइन की हैं गाड़ियां, यात्रियों की सुविधा को देखते हुए पैसला



**मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)**। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के जांजीर-नेला स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी के लिए किए गए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पहले निरस्त की गई 14 यात्री ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है इन ट्रेनों का परिचालन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दोबारा शुरू किया जा रहा है रेलवे प्रशासन ने यह निर्णय लिया है कि, कई पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन निर्धारित अवधि के दौरान चरणबद्ध रूप से बहाल किया जाएगा। यह बहाली 19 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक जारी रहेगी गाड़ी संख्या 68737 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू को 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक अपने निर्धारित समय पर चलाया जाएगा गाड़ी संख्या 68738 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू को भी 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल कर दिया गया है गाड़ी संख्या 68736 (बिलासपुर-रायगढ़) मेमू 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68735 (रायगढ़-बिलासपुर) मेमू 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक संचालित होगी गाड़ी संख्या 68746 (रायपुर-गेवराड) मेमू को 19 अप्रैल से 21 अप्रैल तक और गाड़ी संख्या 68745 (गेवराड-रायपुर) मेमू को 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बहाल किया गया है शॉर्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड ट्रेनें रिस्टर 19 से 22 अप्रैल 2026 तक 18250/18249 और 18252/18251 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस एक्सप्रेस बनकर चलेगी।

## ठगांव मौत मामला: पिकअप मालिक सहित दो गिरफ्तार, डीजे संचालक पर कार्रवाई नहीं



**मीडिया ऑडिटर, बैकंजपुर (निप्र)**। करीब दो माह पूर्व ठगांव में विवाह समारोह के दौरान हुई युवक की संधि मौत के मामले में पुलिस ने महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए पिकअप वाहन के मालिक और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने इस प्रकरण में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है लेकिन डीजे संचालक के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई न होने से पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं घटना 24 फरवरी 2026 की है जब ठगांव निवासी कल्याण सिंह के घर बारात आई थी। समारोह में डीजे और पिकअप वाहन की व्यवस्था थी।

रात करीब 10 बजे डीजे बंद होने के बाद जब वाहन लौट रहा था, तभी रास्ते में कुछ युवकों ने गाड़ी रोकर दोबारा डीजे बजाने की मांग की। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान पिकअप में सवार लोगों ने विजेन्द्र नामक युवक को जबरन गाड़ी में बैठा लिया और वहां से भाग निकले कुछ दूरी पर युवक चलती गाड़ी से गिरा या धक्का दिए जाने के कारण उसकी मौत हो गई।

**परिजनों का आरोप: डीजे संचालक की भूमिका संदिग्ध, कार्रवाई की मांग:** पुलिस जांच में सामने आया कि युवक की मौत चलती गाड़ी से गिरने के कारण

हुई। मामले में रमेश साहू (पिकअप मालिक) और नंदकिशोर (सहयोगी, निवासी लोहारी) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 138, 105 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर पिकअप वाहन जब्त कर लिया गया है हालांकि मृतक के परिजनों का आरोप है कि डीजे संचालक भी विवाद और मारपीट में शामिल था लेकिन पुलिस ने उसके खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है यहां तक कि डीजे उपकरण भी जब्त नहीं किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल कार्रवाई वाहन चालक और उसके साथी तक सीमित है क्योंकि घटना के समय वाहन वही चला रहा था इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं और लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं अब देखा होगा कि जांच आगे बढ़ने पर अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई होती है या नहीं।

## जबरन गाड़ी छीनी तो होगी एफआईआर रिकवरी एजेंटों पर सख्ती लूट का केस दर्ज करने के निर्देश

**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)**। बैंक और फाइनेंस कंपनियों के रिकवरी एजेंट अब लोन वसूली के लिए जबरन गाड़ियां नहीं छीन सकेंगे रास्ते में रोककर चाबी छीनने या बदतमीजी करने पर एजेंटों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज होगी वर्तमान में एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आरबीआई के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लूट का केस दर्ज किया जाए बिना कोर्ट के आदेश वाहन सीज करने की मिल रही थीं शिकायतें एसपी साईं कृष्णा एस थोटा ने बताया कि जिले में जबरन वाहन सीज करने का खल बड़े स्तर पर चल रहा था। शिकायतें मिली थीं कि बैंक और फाइनेंस कंपनियों के रिकवरी एजेंट ईएमआई जमा न होने पर मनमानी कर रहे हैं वे बिना किसी लीगल नोटिस या न्यायालय के आदेश के जबरन दोपहिया और चार पहिया वाहन



सीज कर रहे थे। इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए एसपी ने सभी कंपनियों और एजेंटों को सख्त हिदायत दी है ऋण वसूली के लिए केवल भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों और कानूनी प्रक्रिया का ही पालन किया जाए अभद्रता को तो दर्ज होगा लूट और अड्डाबाजी का केस लोन वसूली के लिए किसी भी नागरिक के

साथ बीच सड़क पर मारपीट/अभद्रता या बिना वैध आदेश के वाहन जब्त करना पूरी तरह गैरकानूनी है। अगर भविष्य में किसी भी एजेंट द्वारा ऐसी अवैध जल्दी या जबरदस्ती की जाती है, तो नर्मदापुरम पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। संबंधित थाने में एजेंट और कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ लूट जबरन वसूली

और धमकाने की धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके अलावा, वसूली के लिए आने वाले रिकवरी एजेंट के पास अपना आईकार्ड (परिचय पत्र) साथ रखना भी अनिवार्य किया गया है जनता से अपील- जबरदस्ती करें तो डायल 112 पर कॉल करें एसपी ने जनता से अपील की है कि किस्त बकाया होने पर बैंक को कानूनी नोटिस भेजने और न्यायालय जाने का अधिकार है लेकिन कोई भी रिकवरी एजेंट आपके साथ बीच रास्ते में जबरदस्ती या डरा-धमका नहीं सकता यदि कोई भी व्यक्ति या एजेंट वाहन छीनने का प्रयास करे तो उसका विरोध करें ऐसे मामलों में तत्काल डायल 112 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता करेगी और दोषियों पर कार्रवाई करेगी।

टैंकर-बाइक टक्कर में युवक की मौत सिर फटने से शिनाख्त मुश्किल फरार तलाश में जुटी पुलिस

मनेंद गढ़-चिरमिरी-भरतपुर 51 मिनट पहले एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ सिटी कोतवाली क्षेत्र के परसगढ़ी में रविवार को एक सड़क हादसा हुआ तेज रफ्तार पानी के टैंकर और बाइक की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई शुरू की हादसे में युवक का सिर फट जाने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

## पूर्व अपर कलेक्टर-एसडीएम की कॉलोनी में अंधेरा

### कॉलोनाइजर ने कटवाया स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन, 4 दिन से मोबाइल टॉर्च के सहारे लोग

**मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)**। नर्मदापुरम की पांच 'रिवर व्यू कॉलोनी' में पिछले चार दिन से स्ट्रीट लाइट बंद होने से सड़कों पर अंधेरा पसर हुआ है कॉलोनाइजर और रहवासियों के बीच सामंजस्य न होने के कारण प्रबंधन ने बिना सूचना दिए अचानक बिजली का मीटर निकलवा दिया वर्तमान में रहवासी रात में मोबाइल की टॉर्च का सहारा लेने को मजबूर हैं और समिति इस मामले की लिखित शिकायत कलेक्टर, कमिश्नर और रेरा (NERA) से करने जा रही है इस कॉलोनी में पूर्व अपर कलेक्टर, एसडीएम, जनजातीय आयुक्त, पुलिस इंस्पेक्टर और न्यायाधीश जैसे कई बड़े अधिकारी रहते हैं। इसके बावजूद कॉलोनी प्रबंधन संवेदनहीन रवैया अपना रहा है।



भीषण गर्मी में स्ट्रीट लाइट बंद होने से रात के समय बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भारी परेशानी हो रही है अंधेरे के कारण बुजुर्गों के लिए हादसों चोरी और जहरीले कोड़े-मकोड़ों का डर बना हुआ है 3 महीने से भर रहे बिल नगरपालिका को हैंडओवर नहीं हुई कॉलोनी रिवर

तक नगरपालिका को हैंडओवर नहीं की गई है। ऐसे में जब तक कॉलोनी हैंडओवर नहीं होती, तब तक सभी बुनियादी सुविधाएं देने की जिम्मेदारी कॉलोनाइजर की होती है रहवासियों ने बताया तानाशाही 1-2 दिन में लगेगा नया कनेक्शन रहवासियों ने भीषण गर्मी में बिना सूचना मीटर निकालने की इस कार्रवाई को अमानवीय और तानाशाही बताया है मामले को लेकर विद्युत कंपनी के एई दीपक मिश्रा ने बताया कॉलोनी के प्रबंधन ने स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन कटवा दिया गया है। नए कनेक्शन के लिए समिति ने एप्लाइड किया जो प्रक्रिया में है। एक दो दिन में नया कनेक्शन लग जाएगा इस मामले को लेकर बिल्डर से भी संपर्क करने की कोशिश की गई है।

## PWD निर्माण में गड़बड़ी की आशंका सेंट्रल-जेल, नेहरू चौक-दर्राघाट सड़क और एडवोकेट हॉल के लिए गए सैंपल

**मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)**। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लोक निर्माण विभाग (PWD) के करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है इसकी जांच के लिए रायपुर से अफसरों की टीम बिलासपुर पहुंची जांच अधिकारी ने सेंट्रल जेल के साथ ही नेहरू चौक दर्राघाट सड़क और एडवोकेट हॉल प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया साथ ही गुणवत्ता परखने के लिए सैंपल भी लिए बिलासपुर के बैमा में नई केंद्रीय जेल का निर्माण होना है साल 2022 से प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद काम शुरू नहीं हो पाया पिछले साल मां भगवती कंस्ट्रक्शन को टेंडर मिला था लेकिन दस्तावेजों में गड़बड़ी की शिकायत पर टेंडर निरस्त कर दिया गया

जबकि फर्म ने मौके पर काम शुरू कर दिया था। इसके बाद सातवें टेंडर में नए फर्म बालाजी इंजीनियर्स को टेंडर जारी किया गया है अफसरों की मनमानी से शासन को 9 करोड़ का नुकसान इस फर्म के दस्तावेजों में फर्जीबाड़े का खुलासा हुआ वहीं विभाग के जिम्मेदार अफसरों के मनमानी ढंग से काम करने के कारण शासन को 9 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है जबकि नए टेंडर में भी अफसरों की भूमिका संदेहास्पद है नए फर्म के दो कामों के दस्तावेजों में

700 करोड़ रुपए का अंतर है। यही वजह है कि जिले में चल रहे विभाग के निर्माण कार्यों की निगरानी की जा रही है निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की आशंका, गुणवत्ता परखने लिए सैंपल जांच अधिकारी ने केंद्रीय जेल नेहरू चौक से दर्राघाट रोड और एडवोकेट हॉल प्रोजेक्ट की बारीकी से जांच की जांच अधिकारी विशाल त्रिवेदी ने सबसे पहले बैमा नगरी स्थित केंद्रीय जेल का दौरा किया यहां निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल लिए गए।

## मध्यप्रदेश पुलिस की जुआं और सट्टे पर सख्त कार्रवाई

**मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)**। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश में अवैध जुआं और सट्टे की गतिविधियों पर कड़े कार्रवाई जारी रखी है पिछले दो सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने जुआं और सट्टे के खिलाफ अभियान चलाया और लगभग 86 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नगदी वाहन मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की जुआं और सट्टे पर कार्रवाई के प्रमुख मामले सागर जिले में पुलिस ने जुए के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया और 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया इस कार्रवाई में 6 लाख 45 हजार रुपए नगद वाहन मोबाइल फोन हथियार समेत करीब 45 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई पन्ना: पन्ना जिले में पुलिस ने जुए के फंड पर छपा माग और 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया इस छापेमारी में पुलिस ने 2 लाख 42



हजार रुपए नगद सहित अन्य संपत्ति बरामद की इसके अतिरिक्त अमानगंज थाना क्षेत्र में 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया 14 लाख 42 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की मंडला मंडला जिले में जुए के एक फंड पर पुलिस ने दबिश देकर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया और करीब 11 लाख 50 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की

दमोह दमोह में पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर जुए के खिलाफ कार्यवाही की। कोतवाली थाना क्षेत्र में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 हजार 780 रुपए नगद जब्त किए वहीं सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 11 जुआरियों को गिरफ्तार कर 4 लाख 44 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की कटनी कटनी जिले में पुलिस ने एक जुआ फंड पर छपा मारकर 4



आरोपियों को गिरफ्तार किया और 73 हजार 600 रुपए नगद ताश पते 3 मोटोसाइकिल और 1 स्विफ्ट कार जब्त की पुलिस की अपील मध्यप्रदेश पुलिस ने जुआं और सट्टे जैसी अवैध गतिविधियों की खिलफ जनता से सहयोग की अपील की है पुलिस ने आमजन से आग्रह किया है कि वे इस तरह की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत

पुलिस को दें ताकि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और प्रदेश को इस तरह की अवैध गतिविधियों से मुक्त किया जा सके मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई के बावजूद जुआं और सट्टे की अवैध गतिविधियाँ जारी हैं और पुलिस को यह निरंतर कोशिश है कि प्रदेश में अपराधों को कम किया जा सके।

## दमोह के डायल-112 हीरोज ने सड़क दुर्घटना में घायल 05 व्यक्तियों को पहुँचाया अस्पताल

**मीडिया ऑडिटर, भोपाल, (निप्र)**। दमोह जिले के थाना कुम्हारी क्षेत्र में डायल-112 टीम ने सड़क दुर्घटना के शिकार हुए 05 गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्परता से अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचाई इस त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से सभी घायलों को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सकी डायल-112 टीम की तत्परता से घायलों को मिली राहत 17 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली कि कुम्हारी थाना क्षेत्र में एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें कई लोग घायल हैं। सूचना मिलते ही, डायल-112 कंट्रोल रूम के आरक्षक श्री राम नरेश ने तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना कुम्हारी में तैनात एफआरवी-17 वाहन को



घटनास्थल के लिए रवाना किया घटनास्थल पर पहुँची डायल-112 टीम ने पाया कि एक फौर व्हीलर वाहन पथर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 2 पुलिसकर्मीयों सहित कुल 5 लोग गंभीर रूप से घायल थे। डायल-112 के आरक्षक नितिन राजपूत और पायलट इकरार

खान ने सूझबूझ से सभी घायलों को एफआरवी-17 वाहन से कुम्हारी अस्पताल पहुँचाया जहाँ उनका इलाज शुरू किया गया डायल-112 की यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई प्रदेश में आपातकालीन स्थितियों में त्वरित राहत प्रदान करने की पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## 2 युवकों की मौत; विरोध में शव रखकर हाइवे जाम

टैकर में दम घुटने से गई जान, परिजन बोले- बिना सुरक्षा उपकरण के काम कराया

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गढ़ीमलहरा में एक टैकर के अंदर दम घुटने से दो युवकों की मौत के बाद रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टमार्टम के बाद शव सौंपे जाने पर आक्रोशित लोगों ने NH-86 सागर-कानपुर रोड और महाराजपुर तिराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। इस घटना के कारण मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को



समझाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने और जाम खुलवाने में जुटा हुआ है। टैकर की मरम्मत के लिए

भीतर उतरे थे: यह घटना शनिवार को गढ़ीमलहरा क्षेत्र में हुई थी। गुलाब अनुरागी और अरमान खान पानी के एक टैकर की मरम्मत के बाद उसके अंदर

पेंटिंग का काम कर रहे थे। इसी दौरान टैकर के भीतर जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यह टैकर ग्राम पंचायतों के थे जो मरम्मत के लिए आए थे। घटना के तुरंत बाद दोनों युवकों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया था कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव परिजनों को

सौंपे गए, वे आक्रोशित हो गए। परिजनों ने मुआवजे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया। प्रशासन की टीम समझाइश के लिए मौके पर पहुंची: उनका आरोप है कि बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के टैकर के अंदर काम कराया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। परिजन इसे हत्या कारा दे रहे हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन लोगों को शांत कराने और यातायात बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। पूरे मामले की जांच के बाद जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

## इंदौर-मुंबई सेंट्रल के बीच चलेगी स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन

रतलाम, उज्जैन में रहेगा स्टॉपेज; दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी, जानें शेड्यूल

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। वेस्टर्न (10.50/10.55) पर आगमन प्रस्थान होगा। ट्रेन रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल विशेष रूप से यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए मुंबई सेंट्रल और इंदौर स्टेशनों के बीच स्पेशल किराये के साथ सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। मुंबई सेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों 7.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। इस दिशाओं में 12-12 फेरे चलेगी। ट्रेन का रतलाम मंडल के उज्जैन



मुंबईसेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल: 20 अप्रैल से 29 मई, 2026 तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 23.20 बजे चलेगी। अगले दिन 13 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के दाहोद (07.10/07.12), रतलाम (08.45/08.55), उज्जैन (18.20/18.25), रतलाम (20.05/20.10) एवं दाहोद (21.55/21.57) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इन स्टेशनों पर दिया स्टॉपेज: यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरिवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम तथा उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

## रायसेन में बस पहाड़ी से टकराई, तीन यात्री घायल

झाड़प की जगह हेलपर चला रहा था बस, टक्कर के बाद आगे के दोनों पहिए निकले

मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 4.45 पर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पहाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में तीन यात्री घायल हो गए। घटना सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के घाट खमरिया में रात करीब 1:30 बजे हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज रफतार के कारण बस के दोनों पहिए निकल गए, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सुल्तानपुर, बाड़ी और गोहरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। गोहरगंज थाना प्रभारी विनोद परमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बस



से बाहर निकाला और उन्हें दूसरे वाहनों से आगे रवाना किया। बस झाड़पर मौके से फरार: थाना प्रभारी परमार के अनुसार, यह घटना चालक को नींद का झोंका आने के कारण हुई। हालांकि, यात्रियों का कहना है कि बस हेलपर चला रहा था। हादसे के

बाद चालक मौके से फरार हो गया। वहीं, हेलपर बस के अंदर दब गया था, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से काफी मशकत के बाद बाहर निकाला गया। बस में करीब 45 से 50 यात्री सवार थे, जो भोपाल से जबलपुर जा रहे थे।

## सागर में B.Com के छात्र ने लगाई फांसी

रहली में 21 साल के युवक का शव फंदे पर मिला मोबाइल कॉल डिटेल की जांच होगी

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के रहली स्थित नार्ड क्रमांक-6 में रविवार सुबह 21 वर्षीय बीकॉम के छात्र ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार रात वह कमरे में मोबाइल चला रहा था और सुबह मां ने उसे फंदे पर लटकते देखा। रहली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए युवक का



मोबाइल जल्द कर कॉल डिटेल की जांच कर रही है। मां कमरे में पहुंची तो फंदे

पर झूल रहा था बेटा: पुलिस के अनुसार, नार्ड क्रमांक-6 (रहली) निवासी यशवंत बेलदार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यशवंत ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर का बेटा गौरव बेलदार (21) सागर के ऑर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। शनिवार रात करीब 12 बजे यशवंत घर पर टीवी देख रहे थे और गौरव अपने कमरे में मोबाइल चला

रहा था। इसके बाद यशवंत सो गए। रविवार सुबह करीब 5 बजे पत्नी संस्था सोकर उठीं। कुछ देर बाद वह कमरे में गईं, तो देखा कि गौरव फंदे पर झूल रहा है। रस्सी काटकर अस्पताल ले गए, डॉक्टर ने किया मृत घोषित: पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग कमरे में पहुंचे। परिजनों ने फंदे की रस्सी काटकर गौरव को नीचे उतारा और तुरंत

अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रहली पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। युवक के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मोबाइल जल्द कर लिया है और उसकी कॉल डिटेल निकाली जा रही है।

## लिमिट कम फिर भी केंद्रों पर तुलाई में लग रहे 2 दिन गर्मी में ट्रॉलियों में इंतजार

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। कई केंद्रों पर समय पर समर्थन मूल्य पर गेहूं की तौल नहीं होने से किसान परेशान हो रहे हैं। हालत यह है कि दो दिन में नंबर लग पा रहा है। भीषण गर्मी के बीच टैक्टर-ट्राली लेकर आए इन किसानों के सामने खाने और पानी का भी संकट हो रहा है। किसानों का कहना है कि जब उपज की लिमिट ही कम है तो फिर इतनी देर लगना समझ से बाहर है। दूसरी तरफ इसका कारण यह सामने आया है कि कई जगह बिजली की समस्या हो रही है। इसके कारण तुलाई में देरी हो रही है। अभी तक 84 हजार टन की खरीदी हो चुकी है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की तौल को लेकर इस समय किसान परेशान हैं। अभी छोटे किसानों के



स्टॉट ही बुक हो रहे हैं। इसलिए बड़े किसान पहले से ही परेशान हैं। उनकी उपज का एक दाना भी अभी तक समर्थन मूल्य पर नहीं बिका है। इधर कई केंद्रों पर बिजली की आवाजाही के कारण काम बाधित हो रहा है। इसलिए तौल में काफी देर हो रही है। 40 फीसदी किसानों के स्टॉट हो चुके बुक: इस

बार 1 लाख 2 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। इनमें से अभी तक 40 हजार 700 किसान स्टॉट बुक करा चुके हैं। जानकारी देते हुए प्रभारी जिला उपार्जन अधिकारी आकाश चंदेल ने बताया कि अभी तक 17 हजार 500 किसानों से 84 हजार टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है। सबसे बड़ी समस्या खाने और नाश्ते की इन किसानों का कहना था कि दो दिन तक खड़े रहने में काफी परेशानी हो रही है। सबसे बड़ी समस्या खाने और नाश्ते की है। खरीदी केंद्र के आसपास इस तरह की व्यवस्था हो पाती है। ट्राली जोड़ पर जाकर कुछ खाने की व्यवस्था हो पाती है। ट्राली जोड़कर यहां से जा भी नहीं सकते। ऐसे में किसान करे तो क्या करें। उपज से भरी ट्राली को ऐसे छोड़कर खाना खाने भी नहीं जा सकते।

## खरगोन के पिपलियाबावड़ी में जलसंकट, नाले से ला रहे पानी

4 साल से नल-जल योजना टप, टकियां बनी लेकिन पानी नहीं आया, सीईओ ने आश्वासन दिया

मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के आदिवासी बहुल भगवानपुरा क्षेत्र में भीषण गर्मी के साथ जलसंकट लगातार गहराता जा रहा है। पिपलिया बावड़ी के डुडवा फालिया और सतीपुरा में स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां 200 से अधिक घरों में पानी की भारी किल्लत है। ग्रामीण, खासकर बुजुर्ग, दूरदराज के नालों से मटमैला पानी लाने को मजबूर हैं। इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है और लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। टेस्टिंग के बाद से आज तक टकियां खाली: स्थानीय लोगों के अनुसार, चार साल पहले नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया गया था और घरों में कनेक्शन भी दिए गए थे। हालांकि, टेस्टिंग



के बाद से आज तक इन टकियों में पानी नहीं आया और वे अनुपयोगी पड़ी हैं। वहीं, हैंडपंपों का जलस्तर भी लगातार घट रहा

है। ग्रामीणों बोले: कई बार शिकायत की सुनवाई नहीं हो रही ग्रामीण धनसिंह ने बताया कि

टंकी बनने के बाद केवल टेस्टिंग हुई, उसके बाद कभी पानी नहीं मिला। हैंडपंप सूखने की कगार पर हैं, इसलिए नाले

का पानी लाना मजबूरी बन गया है। बुजुर्ग रादली बाई ने भी बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। इससे लोगों में गहरी नाराजगी है। उनका कहना है कि आबादी के हिसाब से पानी की उपलब्धता बेहद कम है। अधिकारियों ने बार-बार केवल आश्वासन दियाइस संबंध में भगवानपुरा जनपद पंचायत की सीईओ कंचन डोंगरे ने बताया कि पेयजल संकट पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पिपलिया बावड़ी का निरीक्षण कर जल्द ही जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

## टोंकखुर्द में डेढ़ लाख की अवैध शराब जब्त, दो कारें बरामद

एक आरोपी गिरफ्तार, साथी फरार

मीडिया ऑडिटर, देवास (निप्र)। देवास जिले की टोंकखुर्द पुलिस ने रविवार को अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने लगभग डेढ़ लाख रुपए से अधिक की अवैध शराब जब्त करते हुए दो महंगी कारें भी बरामद की हैं। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य फरार हो गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टोंकखुर्द स्थित कलाली के पास एक कच्चे रास्ते पर दो चार पहिया वाहनों में अवैध शराब भरकर परिवहन के लिए खड़ी है। सूचना की पुष्टि के लिए थाना प्रभारी टोंकखुर्द आलोक कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर दो कारें खड़ी मिलीं। पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा, जो एक कार से दूसरी कार में शराब की पेटियां रख रहा था। हालांकि, दूसरी कार का



चालक पुलिस को देखकर फरार हो गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान संजय पिता कमलसिंह धाकड़ (38 वर्ष), निवासी ग्राम आलरी के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों कारों से

देशी और विदेशी शराब की कुल 39 पेटियां बरामद कीं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 43 हजार रुपए से अधिक बताई जा रही है। आरोपी के पास शराब परिवहन या बिक्री संबंधी कोई

वैध लाइसेंस या दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर आरोपी संजय के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

## सीहोर में कागजों पर बना अमृत सरोवर तालाब

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछार क्षेत्र की ब्रिजीशनगर पंचायत में अमृत सरोवर योजना के तहत बनाए गए तालाब को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मौके पर तालाब के नाम पर केवल कुछ मीटर की एक पाल (बांध) ही दिखाई दे रही है, जबकि पूरा तालाब धरातल पर मौजूद नहीं है। 25 लाख रुपये निकालने का आरोप ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव ने इस तालाब के नाम पर करीब 25 लाख रुपये की राशि निकाल ली, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा ही छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि राशि का दुरुपयोग कर केवल कागजों में काम पूरा दिखाया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में सरपंच और सचिव ने संबंधित अधिकारियों से मिलीभगत कर सरकारी योजना में गड़बड़ी की है। उनका कहना है कि योजनाओं की राशि का बंदरबांट कर लिया गया और वास्तविक काम नहीं किया गया।

## मऊगंज में युवक कुएं में गिरा इलाज के दौरान मौत

रिश्तेदार के यहां बरहो संस्कार में शामिल होने आया था



मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के बरयाकला गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान एक युवक की कुएं में गिरने से मौत हो गई। 27 वर्षीय रवि कुमार रावत बरहो संस्कार में शामिल होने आया था, जब यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान रीवा जिले के चारहटा थाना क्षेत्र के पुरेनी जागीर निवासी रवि कुमार रावत (27) पुत्र छट्टालाल रावत के

रूप में हुई है। वह अपने रिश्तेदार रामसहोदर रावत के घर आयोजित बरहो संस्कार में शामिल होने बरयाकला आया था। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात रवि कुमार रावत अचानक कुएं में गिर गया। घटना का पता चलते ही मौके पर मौजूद लोगों ने उसे कुएं से बाहर निकाला और तत्काल स्थित अस्पताल मऊगंज पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचित किया गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे एक हादसा माना जा रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। इस घटना के बाद परिवार में मानम पसर गया है और गांव में शोक का माहौल है।

## रतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया



**हैदराबाद, एजेंसी।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकामले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। रतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य की पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।

रतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, 'जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे।' इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए सफल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी।

सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, 'अंतिम 10 ओवर में 80 रन चाहिए थे। वहां से दो-तीन सल्लेदारियां बनती तो टीम जीत के करीब पहुंचती पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले तीन मैचों से गेंदबाजी यूनिट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आज भी पावरप्ले में सनराइजर्स के अभिषेक ने अच्छी बल्लेबाजी की पर हमारे गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने नहीं दिया। उन्होंने विशेष रूप से अंकुल कम्बोज की गेंदबाजी को सराहा।

## आईपीएल 2026: महंगा दांव लगाने के बावजूद फ्लॉप रहे ये विदेशी खिलाड़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग हर साल दुनिया भर के क्रिकेटर्स के लिए एक बड़ा मंच साबित होती है, जहाँ वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि मोटी कमाई भी करते हैं। मिनी ऑक्शन के दौरान टीमों विदेशी खिलाड़ियों पर बड़ा दांव खेती है, क्योंकि वे मैच का पास पलटने की क्षमता रखते हैं। हालांकि,

हर बार यह दांव सफल नहीं होता। आईपीएल 2026 में भी कुछ ऐसे विदेशी खिलाड़ी रहे हैं, जिन पर उनकी फेंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन वे मैदान पर अपनी कीमत के अनुरूप प्रदर्शन करने में बुरी तरह विफल साबित हुए। आइए देखते हैं आईपीएल 2026 में अब तक के सबसे फ्लॉप विदेशी खिलाड़ियों की सूची। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीलामी में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था। यह रकम उनके ऑलराउंड प्रदर्शन, खासकर तेज गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी में उनकी क्षमता को देखते हुए खर्च की गई थी। हालांकि, ग्रीन का प्रभाव केकेआर के लिए लगभग नगण्य रहा है। वे न तो बल्ले से अपेक्षित रन बना पाए और न ही अपनी गेंदबाजी से विकेट निकाल पाए, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद उनसे मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे पूरी तरह से फ्लॉप रहे हैं। जिससे फेंचाइजी को भारी निराशा हुई है। दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार खिलाड़ी निकोलस पूरन हैं। वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये की बड़ी

रकम पर रिटैन किया था। पूरन अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बड़े शॉट्स लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, खासकर डेथ ओवरों में। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। बार-बार बैटिंग ऑर्डर में बदलाव और दबाव के चलते पूरन अब तक खेले गए 5 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना पाए हैं। उनसे



उम्मीद की जाती थी कि वे मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करेंगे और तेजी से रन बटोरेंगे, लेकिन वे टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी आईपीएल 2026 में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग और लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। हालांकि, इस सीजन में उनकी हालत यह रही कि उन्हें सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने मात्र 14 रन बनाए। एक ऐसे खिलाड़ी पर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद अगर वह टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहा है या मौका मिलने पर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो यह फेंचाइजी के लिए चिंता का विषय है।

# काशवी गौतम : एक साल के भीतर तीनों फॉर्मेट में डेब्यू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौर पर है, जिसका पहला मुकामला डरबन में खेला गया। हालांकि भारत यह मैच 6 विकेट से हार गया पर इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय महिला क्रिकेट को एक नया चेहरा मिला, जब युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम को भारतीय टीम की तरफ से डेब्यू कैप प्रदान की गई। यह 22 वर्षीय प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने महज एक साल के भीतर भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण कर लिया है। अप्रैल 2025 में उन्हें वनडे कैप मिली थी, और फिर इसी साल मार्च में उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का अवसर प्राप्त किया था। अब, साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 मुकामले में, वह भारतीय जर्सी में टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है।

काशवी गौतम भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार तेज गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई है। वह तब पहली बार सुर्खियों में आईं, जब 2024 की

विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने दो करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा था। इस खरीद के साथ ही वह उस समय डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी अनकेड खिलाड़ी बन गई थीं, जिससे उनकी प्रतिभा पर क्रिकेट विशेषज्ञों का भरोसा स्पष्ट हो गया था। काशवी तब और भी अधिक चर्चा में आईं, जब उन्होंने 2020 में एक घरेलू अंडर-19 मैच में एक ही पारी में सभी 10 विकेट चटकाने का अविश्वसनीय कारनामा किया था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली थी, जिसने उनकी गेंदबाजी क्षमता को उजागर किया। वह अपनी सटीक लाइन लेथ, नियंत्रित गति और विकेट लेने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट में हमेशा से अच्छे तेज गेंदबाजों की कमी महसूस की जाती रही है, और इस कमी को देखते हुए काशवी गौतम को भविष्य का एक बड़ा खिलाड़ी माना जा रहा है। वह चंडीगढ़ के लिए खेलती हैं और उन्होंने अंडर-19 तथा घरेलू सीनियर स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, 2024 के डब्ल्यूपीएल सीजन से पहले उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से चोट लग गई



थी, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। यह उनके लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने मजबूत वापसी की। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 सीजन में उन्होंने 11 विकेट चटककर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की। इसी शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें राष्ट्रीय टीम में डेब्यू का मौका मिला, जो उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

# आईपीएल में सबसे ज्यादा जर्सी बदलने वाले खिलाड़ी: एक विस्तृत विश्लेषण

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग, अपनी चकाचौंध, प्रतिस्पर्धा और अप्रत्याशितता के लिए जानी जाती है, जहाँ खिलाड़ी हर साल अपने कौशल और फॉर्म के दम पर टीमों में जगह बनाते हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अपने पूरे करियर में एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया, जैसे विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए और किरोन पोलार्ड मुंबई इंडियंस के लिए। ये निष्ठा और स्थायित्व के प्रतीक बन गए। हालांकि, आईपीएल में एक दूसरा पहलू भी है, जहाँ खिलाड़ियों को लगातार नई टीमों के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है या उन्हें फेंचाइजी द्वारा रिलीज कर दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वे कई अलग-अलग जर्सी में खेलते हुए नजर आते हैं। यह लेख ऐसे शीर्ष पांच खिलाड़ियों पर प्रकाश डालता है, जिनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा टीमों के लिए खेलने का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है। इस सूची में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एरोन फिंच का है। फिंच की आक्रामक बल्लेबाजी शैली उन्हें हर फेंचाइजी के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बनाती थी, लेकिन अजीब बात यह है कि उन्हें किसी भी एक टीम में लंबा समय बिताने का मौका नहीं मिला।

अपने आईपीएल करियर में फिंच ने कुल 9 टीमों के लिए मैदान पर कदम रखा, जो एक अद्वितीय रिकॉर्ड है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स (तत्कालीन डेयरडेविल्स), पुणे



वॉरियर्स इंडिया, सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों के लिए खेला। हर नीलामी में उन पर दांव लगाया गया, लेकिन टीम की रणनीति, उनके फॉर्म या चोट के कारण उन्हें बार-बार टीम बदलनी पड़ी।

दूसरे स्थान पर भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट का नाम आता है। अपनी विविधता भरी गेंदबाजी और घीमी गेंदों के लिए मशहूर उनादकट भी आईपीएल नीलामी में

हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे उनादकट अब तक 8 अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी यात्रा कोलकाता नाइट राइडर्स से शुरू हुई और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स होते हुए सनराइजर्स हैदराबाद तक पहुंची है। उन्हें कई बार मोटी रकम में खरीदा गया, लेकिन वे लगातार अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए, जिसके चलते उन्हें हर सीजन में नई टीम की

तलाश करनी पड़ी।

भारतीय टीम के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक और आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय मनीष पांडे इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मध्यक्रम के बरोसेमंद बल्लेबाज मनीष पांडे अब तक 7 आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी आईपीएल यात्रा मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से शुरू हुई, जिसके बाद वे पुणे वॉरियर्स इंडिया, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का हिस्सा बने। पांडे अपनी ठोस बल्लेबाजी और शानदार फिल्डिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आईपीएल नीलामी की बदलती गतिशीलता और टीमों की रणनीतियों के चलते उन्हें भी लगातार अपनी जर्सी बदलनी पड़ी।

भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। लंबे कद के इस अनुभवी गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन आईपीएल में उन्हें भी कई टीमों के लिए खेलने का अनुभव रहा है। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा ईशांत अब तक 7 टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी टीमों में कोलकाता नाइट राइडर्स, डेकन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, किंग्स इलेवन पंजाब, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं। ईशांत की गति और अनुभव हमेशा टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं।

## श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा: रविचंद्रन अश्विन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन

का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने



अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतर बनना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया।

## केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटों से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है।

सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षिता राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथैया पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब वह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिकू सिंह पूरी तरह से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर न रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविचंद्रन को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होगी, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अपत्याशिष घटना थी।



# दुनिया का वो क्रिकेटरज्जो पत्नी को अलमारी में कर देता था बंद

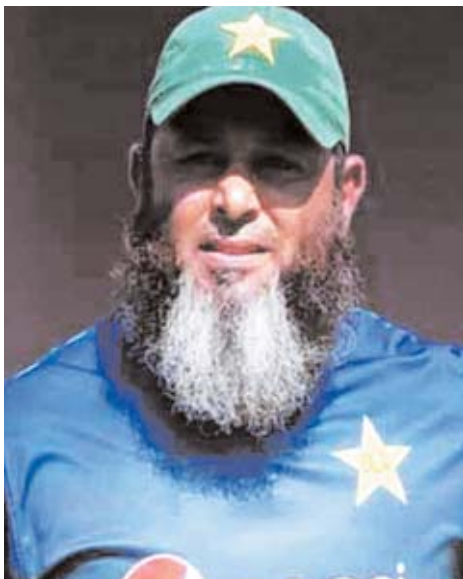
यह किस्सा आज भी क्रिकेट प्रेमियों के बीच सकलैन मुश्ताक की यादों में एक खास जगह रखता है

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट के मैदान पर जब पाकिस्तान के महान ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक अपनी उगलियों को हलकत देते थे, तो दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों के पसीने छूट जाते थे। उनकी अनूठी 'दूसरा' गेंद ने क्रिकेट की डिक्शनरी में एक नया और प्रभावशाली शब्द जोड़ दिया था, जिससे बल्लेबाजों को भ्रमित करना उनका शगल बन गया था। लेकिन साल 1999 के क्रिकेट विश्व कप के दौरान, इंग्लैंड की उड़ी हवाओं के बीच सकलैन मैदान के बाहर एक ऐसी 'गुगली' खेल रहे थे, जिसकी भनक न तो टीम मैनेजमेंट को थी और न ही उनके कप्तान को। यह कहानी किसी जाम्बूसी फिल्म से कम नहीं है, जिसमें एक तरफ विश्व कप का जबरदस्त दबाव था और दूसरी तरफ एक नया-नवेल शायदशुदा जोड़ा।

सकलैन मुश्ताक की शादी दिसंबर 1998 में हुई थी। अभी शादी की मेहंदी का रंग गहरा ही था कि 1999 का विश्व कप शुरू हो गया। सकलैन के लिए एक अच्छी बात यह थी कि उनकी पत्नी लंदन की ही रहने वाली थीं। सकलैन का अपना एक सीधा सा गणित था- दिन भर

मैदान पर पसीना बहाओ, विकेट चटकाने और शाम को पत्नी के साथ सुकून के पल बिताओ। सब कुछ सही चल रहा था, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी और सकलैन खुद शानदार फॉर्म में थे। लेकिन अचानक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक अप्रत्याशित फरमान जारी कर दिया कि सभी खिलाड़ी अपने परिवारों को तुरंत वापस घर भेजें। बोर्ड का मानना था कि परिवारों को मौजूदगी से खिलाड़ियों का ध्यान भटक रहा है और वे खेल पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन सकलैन के लिए यह तर्क गले उतराना मुश्किल था। वह अपनी लय में थे, टीम जीत रही थी और वह खुद शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने मन ही मन ठान लिया, 'मैं यह नियम नहीं मानूंगा।' और यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का अपनी पत्नी को होटल के कमरे की अलमारी में छिपाने का अनोखा और हास्यपूर्ण 'मिशन'।

सकलैन मुश्ताक ने अपनी पत्नी को होटल के कमरे से बाहर नहीं भेजा। लेकिन अब उनके सामने एक बड़ी चुनौती थी कि टीम के मैनेजर और कोच समय-समय पर



खिलाड़ियों के कमरों का मुआयना करने आते थे, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का सबसे मजेदार 'डिफेंसिव' गेम और छिपम-छिपाई का खेल। जब भी दरवाजे पर दस्तक होती, सकलैन का दिल जोर से धड़कने लगता। वह तुरंत अपनी पत्नी से कहते, 'जल्दी, अलमारी के अंदर जाओ।' उनकी पत्नी भी समझदार थीं और चुपचाप अलमारी में कपड़ों के बीच दुबक कर बैठ जातीं और सकलैन चेहरे पर एक मासूम मुस्कान लिए दरवाजा खोलते। चाहे वह कोच रिचर्ड सायबस हों या टीम के अन्य अधिकारी, वे कमरे में झांकते, सकलैन से हाल-चाल पूछते और फिर चले जाते। उन्हें स्त्री भर भी अंदाजा नहीं था कि जिस अलमारी के पास वे खड़े हैं, उसके अंदर पाकिस्तान के स्टार स्पिनर की 'बेहतर अर्थांगिनी' अपनी हंसी रोके बैठी है, इस अनूठे 'नियम तोड़ने' के कारनामों को अंजाम दे रही है। यह लुका-छिपी का खेल ज्यादा दिनों तक तो चला, लेकिन क्रिकेट टीम में बाते जूझा समय तक छिपती नहीं है। एक शाम, सकलैन के साथी खिलाड़ी अजहर महमूद और मोहम्मद युसूफ उनके कमरे पर आ धमके। वे नियमों को लेकर चर्चा करने

आए थे, लेकिन उनकी नजरें कमरे में कुछ असामान्य ढूंढ रही थीं। सकलैन ने उन्हें टालने की कोशिश की, पर अजहर और युसूफ को कुछ सदिग्ध लगा। उन्हें शक हो गया कि इस कमरे में कोई और भी है। सकलैन की घबराहट उनके चेहरे पर साफ दिख रही थी। अंत में, जब दोस्तों ने बहुत जोर दिया और हंसी-मजाक का माहौल शुरू हुआ, तो सकलैन को अपनी हार माननी पड़ी। उन्होंने मुस्कुराते हुए अलमारी का दरवाजा खोला और अपनी पत्नी को बाहर आने को कहा। उस पल का दृश्य ऐसा था कि अजहर और युसूफ अपनी हंसी नहीं रोक पाए। एक तरफ दुनिया का सबसे खतरनाक स्पिनर खड़ा था और दूसरी तरफ वह अलमारी, जो कुछ पलों के लिए सकलैन के 'घर का किला' बन गई थी, जिसने एक अनोखी कहानी रच दी। हैरानी की बात यह है कि इस मानसिक उठापटक और 'लुका-छिपी' के बावजूद सकलैन के खेल पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा। इसी विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने ऐतिहासिक हैट्रिक ली, जो उनकी शानदार गेंदबाजी का एक और प्रमाण था। वह पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे।

# विश्व धरोहर दिवस पर रायपुर में सजी विरासत की अनोखी झलक, संरक्षण पर विशेषज्ञों का मंथन

महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी व व्याख्यान—सोमनाथ से छत्तीसगढ़ के मंदिरों तक सांस्कृतिक यात्रा

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। संस्कृति विभाग अंतर्गत पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, रायपुर द्वारा विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं संचालक पुरातत्व एवं संस्कृति विवेक आचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. रमेशनाथ मिश्र, अतिथि वक्ता डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा पवन बच्चो द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सहभागिता रही। संचालनालय द्वारा प्रतिवर्ष विश्व धरोहर दिवस पर ऐतिहासिक स्मारकों,



सांस्कृतिक स्थलों एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम

आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी प्रदर्शनी और व्याख्यान के माध्यम से विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

की प्रेरणादायक पहल 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - अटूट आस्था के 1000 वर्ष' का अनुसरण करते हुए कला वीथिका में विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के 19वीं, 20वीं और 21वीं सदी के चित्रों के माध्यम से उसके ऐतिहासिक विकास, स्थापत्य परिवर्तन और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिव मंदिरों की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करते चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे। स्थानीय धरोहरों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का यह प्रयास दर्शकों के लिए विशेष रूप से ज्ञानार्थक रहा। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस 2026 की थीम 'इमरजेंसी रिस्पांस फॉर लिविंग हेरिटेज इन कॉन्टेक्ट ऑफ कॉन्सर्वेशन एंड डिजाइनिंग' पर आधारित व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया।

# महतारी वंदन योजना से संवर रही पहाड़ी कोरवा परिवारों की तकदीर

बकरी पालन बना आजीविका का सशक्त माध्यम, मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश सरकार की प्रशासनिक 'महतारी वंदन योजना' प्रदेश की महिलाओं के लिए न केवल आर्थिक संबल, बल्कि स्वावलंबन का नया आधार बन रही है। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की करियों के जीवन में आई खुशहाली लेकर आई है। अम्बिकापुर विकासखण्ड के ग्राम रामनगर की रहने वाली करियों ने योजना से प्राप्त सहायता राशि का सदुपयोग कर न केवल अपना भविष्य संवारा है, बल्कि अपने पूरे परिवार की स्थिति को बेहतर बनाया है।

योजना की राशि को बनाया आत्मनिर्भरता माध्यम: करियों बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति



चुनौतीपूर्ण थी। दैनिक खर्चों के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता था। महतारी वंदन योजना के लागू होने के बाद, जब उनके खाते में राशि आनी शुरू हुई, तो उन्होंने इसे धैर्यपूर्वक खर्चों के बजाय निवेश का रास्ता चुना। उन्होंने इस राशि को सहेज कर बकरियां खरीदीं और पशुपालन शुरू किया।

बकरी पालन से मिली आर्थिक मजबूती: अपनी सफलता साझा करते हुए करियों ने बताया कि मैंने योजना के पैसों से बकरियां खरीदीं और साल भर उनकी देखभाल की। अब मेरे पास छह बकरियां हैं। बकरियां समय-समय पर बच्चे देती हैं, जिससे उनकी संख्या बढ़ती जा रही है।

## भाषा के आधार पर भेदभाव करने वाले किड्स एकेडमी पर कार्रवाई, 1 लाख रुपये का जुर्माना

मीडिया ऑडिटर, अम्बिकापुर (निप्र)। भाषा के आधार पर बालक को प्रवेश देने से इंकार करने के संबंध में सोशल मीडिया तथा विभिन्न न्यूज चैनलों के माध्यम से सामने आने वाले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अजीत वसंत ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण की विस्तृत जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने आदेश जारी किया गया है, जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि स्वर्ण किड्स एकेडमी (पेशागी एजुकेशन सोसायटी) चोपड़ापारा अम्बिकापुर द्वारा 04 वर्ष के एक मासूम बच्चे को विद्यालय में प्रवेश देने से इस आधार पर इंकार किया गया कि वह हिन्दी में बातें नहीं कर पाता तथा स्थानीय सरगुजिहा भाषा में बात करता है। संस्था द्वारा बच्चे के पिता से यह भी कहा गया कि इस

विद्यालय में बड़े घर के बच्चे पढ़ते हैं और शिक्षक बच्चे की बातें नहीं समझ पा रहे हैं, इसलिए उसे प्रवेश नहीं दिया जा सकता। इस प्रकार भाषा के आधार पर किसी बालक के साथ किया गया भेदभाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के विपरीत तथा पूर्णतः अनुचित एवं अस्वीकार्य पाया गया। इस संबंध में संस्था से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि संस्था बिना विभागीय मान्यता के संचालित हो रही थी तथा शाला प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा अपनी गलती स्वीकार की गई। प्राप्त शिकायत की जांच हेतु रूमी घोष, वरिष्ठ प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केदारपुर अम्बिकापुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित किया गया। जांच दल द्वारा भी समाचारों में प्रसारित घटना की पुष्टि करते हुए संस्था के बिना मान्यता संचालन की जानकारी दी गई।

## विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्यभर में रंगारंग कार्यक्रम

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आगामी 8 मई को राज्य स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रेडक्रॉस राज्य शाखा, रायपुर के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में कलेक्टरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस विशेष अवसर पर समूह नृत्य, प्रहसन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर के रेडक्रॉस वालंटियर्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के आधार पर पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान रेडक्रॉस की गतिविधियों के सुचारु संचालन हेतु विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार कर जारी की गई। योजना में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति



जनजागरूकता बढ़ाने, विशेष अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया है। साथ ही, रक्तदान शिविरों का व्यापक आयोजन कर

रक्त की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करने और 'रक्तदान महानंदन' के संदेश को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मक और सेवा आधारित

गतिविधियों से जोड़ने की भी योजना बनाई गई है, जिससे उनमें मानवीय मूल्यों और सेवा भाव का विकास हो सके। जिला शिक्षा अधिकारियों को माहवार गतिविधियों के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए हैं।

## एसआईएस लिमिटेड द्वारा जिले में सुरक्षा जवान भर्ती शिविर

मीडिया ऑडिटर, राजनांदगांव (निप्र)। जिले में एसआईएस लिमिटेड द्वारा 16 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा जवानों के पंजीयन एवं भर्ती शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके तहत 16 अप्रैल को बागनदी, 17 अप्रैल को बोरतालावा एवं 18 अप्रैल को डोंगरगढ़ में शिविर का आयोजन किया गया। इसी तरह 20 अप्रैल को जोब, 21 अप्रैल को गंदाटोला, 22 अप्रैल को छुरिया, 23 अप्रैल को तुमडीबोड़, 24 अप्रैल को डोंगरगांव तथा 25 अप्रैल को रक्षित आरक्षी केन्द्र राजनांदगांव में सुरक्षा जवानों के पंजीयन एवं भर्ती शिविर का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एसआईएस लिमिटेड द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्रालय अंतर्गत सिविल डिफेंस डायरेक्टरेट नई दिल्ली के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। इसके तहत कंपनी अपने 3 लाख से अधिक कर्मचारियों को एडीआरएफ सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों एवं संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षित कर देश सेवा के लिए।

## छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी रायपुर में मिशन कर्मयोगी के तहत संस्थागत क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

प्रशिक्षण और नवाचार पर हुआ गहन मंथन

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। क्षमता विकास आयोग, भारत सरकार के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, रायपुर द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत एक दिवसीय संस्थागत क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ शासन के लगभग 40 विभागों के नोडल अधिकारी, सचिव स्तर के अधिकारी तथा क्षमता विकास आयोग, नई दिल्ली के पर्यवेक्षक ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यशाला को चार थीम आधारित सत्रों में विभाजित किया गया था। उद्घाटन सत्र में सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग श्री अविनाश चंपावत ने कार्यशाला के औचित्य, उद्देश्य एवं लक्ष्यों पर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्षमता निर्माण की आवश्यकता और प्रशासनिक दक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रथम सत्र में विभिन्न विषय



विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए गए। आईएसएस अधिकारी श्री कार्तिकेय गोयल ने 'रोल आधारित क्षमता निर्माण एवं प्रदर्शन' विषय पर अपने विचार साझा किए। प्रशासन अकादमी के महानिदेशक एवं वरिष्ठ आईएसएस अधिकारी श्री सुब्रत साहू ने 'प्रशिक्षण संस्थानों की शक्ति आधारित भूमिका' पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। टिप्पल आईटी रायपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर ओ.पी. व्यास ने 'डू टैक्नोलॉजी के उपयोग एवं शिक्षण पद्धति' विषय पर नवीन तकनीकी

दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। वहीं, आई-गॉट कर्मयोगी की स्टेट नोडल ऑफिसर एवं अवर सचिव अंजु सिंह ने राज्य में कैडर आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में सभी विभागों के नोडल अधिकारियों को चार समूहों में विभाजित कर थीम आधारित प्रेजेंटेशन तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात तृतीय सत्र में समूहों द्वारा अपने-अपने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए गए, जो इस कार्यशाला का प्रमुख आकर्षण रहा। इसी क्रम में

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नोडल अधिकारी डॉ. अनुराधा दुबे ने अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर 'संस्थागत प्रशिक्षण की भूमिका, उद्देश्य, लक्ष्य, चुनौतियां एवं समाधान' विषय पर एक समग्र प्रस्तुति दी।

इस प्रेजेंटेशन में पर्यटन विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री प्रमील वर्मा, आईएचएम रायपुर की प्रोफेसर प्रिया शर्मा, सोनियर मैनेजर आईटी श्री विकेश ऊके सहित महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मत्स्य, पशुपालन, खेल एवं युवा कल्याण, वाणिज्य एवं उद्योग तथा परिवहन विभाग के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यशाला का समापन चतुर्थ सत्र में प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू के प्रेरक समापन उद्बोधन के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू ने सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई

6 टन से अधिक कोयला जब्त

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला जब्त देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला जब्त देवखोल में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला जब्त कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सुबह से सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया।

सुरंगों में घुसकर की गई कार्रवाई, उपकरण भी जब्त: जिले में गठित टास्क फोर्स के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गैली, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध



उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था। कानूनी प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पहले भी बंद की गई खदानें, फिर दोहराई जा रही गतिविधियां वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था। एम्एससीएल के माध्यम से सुरंगों को सील करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है,

● प्रशासन की सख्ती, लगातार निगरानी: जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

लेकिन कुछ लोग इन्हें लोभाना खोलने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पटना पुलिस द्वारा भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त कर बीएएसपी की धारा 106 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

## दिशा दर्शन भ्रमण आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

51 महिलाओं को मिला लघु उद्योग का व्यावहारिक ज्ञान

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और मार्गदर्शन में संचालित 'दिशा दर्शन भ्रमण' योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी रूप से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले की लगभग 51 महिलाएं, जो विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों से जुड़ी हैं, अध्ययन भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचीं। भ्रमण के दौरान महिलाओं ने रायपुर-खरोरा स्थित सोया प्रोसेसिंग प्लांट का अवलोकन कर उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाओं में स्वरोजगार के प्रति नया आत्मविश्वास जागृत हुआ और उन्होंने अपने क्षेत्रों में छोटे स्तर पर प्लांट स्थापित कर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े स्वयं प्लांट परिसर में उपस्थित रहीं और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनका उत्पादवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रम उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जो उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि इच्छुक महिला स्व



सहायता समूहों को सोया प्रोसेसिंग जैसे लघु उद्योग स्थापित करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को योजनाओं से जोड़े हुए उन्हें वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, बल्कि समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना के माध्यम से राज्य सरकार महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त रूप से अग्रसर कर रही है।

## भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियन बनाने वाली संजू देवी को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सौंपा चेक, राज्य में पहली बार किसी खिलाड़ी को दी गई है इतनी बड़ी प्रोत्साहन राशि

मीडिया ऑडिटर, रायपुर (निप्र)। भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली संजू देवी को राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी खिलाड़ी को इतनी बड़ी प्रोत्साहन राशि दी गई है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह राशि सौंपी। साव ने इस दौरान बिलासपुर के चिंगराजपारा कबड्डी क्लब को कबड्डी मैट भी प्रदान किया।

संजू देवी को उनके शानदार खेल की वजह से पिछले साल नवम्बर में बांग्लादेश कबड्डी खिलाड़ी है। कबड्डी विश्वकप में मोस्ट वेल्थुबल प्लेयर चुना गया था। कबड्डी विश्वकप के फाइनल में भारत को मिले 35 प्वाइंट्स में से 16 प्वाइंट्स अकेले संजू ने दिलाए थे। सेमी-फाइनल सहित अन्य मैचों में भी उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाई थी। संजू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली राज्य की पहली कबड्डी खिलाड़ी हैं। कबड्डी विश्वकप में मोस्ट वेल्थुबल प्लेयर चुना गया था। कबड्डी विश्वकप के फाइनल में भारत को मिले 35 प्वाइंट्स में से 16 प्वाइंट्स अकेले संजू ने दिलाए थे। सेमी-फाइनल सहित अन्य मैचों में भी उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका

साल की संजू राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बिलासपुर के बहतराई आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में जुलाई-2023 से प्रशिक्षण ले रही है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने संजू देवी को सम्मानित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में लगातार खेल और खिलाड़ियों की तत्कालीन ब व बेहतर के लिए काम हो रहे हैं। संजू देवी

ने अपने बेहतरीन खेल की बदैलत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने अपने उत्कृष्ट खेल से देश को दो-दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक दिलाया है और अपने खेल कौशल से मोस्ट वेल्थुबल प्लेयर बनी हैं। छत्तीसगढ़ की बेटी का यह प्रदर्शन राज्य का मान-सम्मान और गौरव बढ़ाने वाला है। उन्होंने संजू देवी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे आने वाले समय में भी इसी तरह हमारे राज्य और देश का नाम रोशन करती रहेंगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि राज्य में जब ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हों तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएं और प्रोत्साहित करें। हमारे खिलाड़ियों को और विशेषकर लड़कियों को अच्छे खेलने का प्रोत्साहन मिले, इसके लिए सरकार संजू देवी को 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अभी हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी की है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक के भी वृहद आयोजन किए गए हैं।